

: बीफ बॉस :

संजय राउत बोले- जेल जाने के बाद उन्हें कैंसर हुआ



राहुल ने पॉइजन टेस्ट की सलाह दी थी मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने शनिवार को दावा किया कि उन्हें जेल में रहने के दौरान ही कैंसर की बीमारी शुरू हुई थी। राउत 2022 में पत्रा चॉल पुनर्विकास मामले में कथित भूमिका के चलते 100 से ज्यादा दिन जेल में रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उन्हें टॉक्सिसिटी टेस्ट कराने की सलाह दी थी, ताकि पता चल सके कि उनके खाने में जहर तो नहीं मिलाया गया था। राउत ने कहा कि मौजूदा सरकार इतनी क्रूर है कि वह कुछ भी कर सकती है। जेल में रहे दूसरे राजनीतिक नेताओं की हालत भी खराब है।

संजय को 2025 में कैंसर का पता चला, इलाज जारी: संजय राउत के मुताबिक, उन्हें पेट के कैंसर का पता नवंबर 2025 में दिवाली से करीब 2-4 दिन पहले चला था। उनके भाई सुनील राउत ने जांच के लिए ब्लड टेस्ट कराया था, जिसके बाद कैंसर की पुष्टि हुई।

सीजेपी कार्यकर्ता ने घर पर पत्थर फेंकने का आरोप लगाया



नई दिल्ली, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी कार्यकर्ता नीशू आजाद ने आरोप लगाया कि कुछ लोग उनके घर को घेर रहे हैं और घर पर पत्थर और ईंटें फेंकी गईं। नीशू ने इसको लेकर शनिवार रात को सोशल मीडिया में वीडियो जारी किया। उन्होंने दिल्ली और गाजियाबाद पुलिस से अपने माता-पिता और परिवार की सुरक्षा की मांग की। एक वीडियो में उन्होंने कहा, 'अगर मेरे माता-पिता को कुछ हो गया तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी?' दरअसल, जंतर-मंतर प्रदर्शन के दौरान उनके पिता संजय आजाद से मारपीट के मामले में कंटेन क्रिएटर स्वातंत्र भारद्वाज की गिरफ्तारी शनिवार को हो चुकी है। एनएसयूआई अध्यक्ष घर पहुंचे, पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए: वीडियो सामने आने के बाद NSUI के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ शनिवार को संजय आजाद के घर पहुंचे और उनके परिवार से मुलाकात की।

बिहार के घायल छात्रों से मिले राहुल गांधी, साथ खड़े रहने का किया वादा



नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बिहार में छात्र आंदोलन के दौरान पुलिस कार्रवाई में घायल हुए युवाओं से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि इन छात्रों ने सिर्फ शिक्षा, रोजगार और जवाबदेही मांगी थी, लेकिन उनके साथ गोलीबारी कर दी गई।

राहुल गांधी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक वीडियो साझा किया। इस वीडियो में वह यहां अपने आवास पर बिहार के तीन घायल छात्रों से बातचीत करते दिख रहे हैं। इन छात्रों के नाम मोहम्मद आरिफ, बुलेट कुमार गौड़ और आकाश कुमार हैं। इनमें से बुलेट कुमार गौड़ के पैर में गोली लगी है और वह बेसाखी के सहारे चल रहा है। दो अन्य छात्रों के कंधे में गोली लगी है। राहुल गांधी ने पोस्ट में लिखा, 'सोचिए, ऐसा क्या गुनाह किया था इन बच्चों ने कि इन्हें गोली मार दी गई? इन्होंने सरकार से सिर्फ तीन चीजें शिक्षा, रोजगार और जवाबदेही मांगी थीएक छात्र के पैर की हड्डी एक-47 की गोली से टूट गई। सेना में जाकर देश की सेवा करने का उसका सपना भी उसी के साथ चला गया।

एमपी के सागर में जहरीली शराब से 11 मौतें, 24 लोग भर्ती

● बीमारों के शरीर नीले पड़े ● कलेक्टर ने 10 के मरने की पुष्टि की

सागर, एजेंसी। मध्य प्रदेश के सागर में जहरीली-अवैध शराब के सेवन से अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि कलेक्टर ने 10 मौतों की पुष्टि की है। वहीं, करीब 35 लोगों को अस्पताल लाया गया था। इनमें से कुछ की हालत अब भी गंभीर है। गंभीर मरीजों को बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल सागर रेफर किया गया है। मौतों का आंकड़ा और बढ़ने की आशंका है।

कलेक्टर प्रतिभा पाल के मुताबिक, मामला बड़ा थाना क्षेत्र के नौराजा और घुघरा खुर्द गांव में केंद्रित है। शनिवार सुबह करीब साढ़े चार बजे इसकी पहली सूचना मिली थी। प्रभावित गांवों में स्क्रीनिंग की जा रही है और शराब पीने वाले लोगों की जांच कराई जा रही



है। जिन लोगों में लक्षण मिल रहे हैं, उन्हें बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज भेजा जा रहा है। कलेक्टर ने बताया कि अब तक हुए दो-तीन पोस्टमॉर्टम में प्रथम दृष्ट्या

मिथाइल अल्कोहल के सेवन की बात सामने आई है। वहीं, एसपी अनुगम सुजानिया ने कहा कि प्राथमिक जांच में शराब की सप्लाई उत्तर प्रदेश के ललितपुर से होना सामने आया है। कुछ



लोगों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। ललितपुर में भी नेटवर्क खंगाला जा रहा है। डॉक्टरों के अनुसार, अस्पताल लाए

दुनिया के नए नक्शे पर भारत की आपत्ति कहा- जम्मू-कश्मीर, लद्दाख हमारे न शे के मुताबिक दिखें

» यूएन में इवल अर्थ प्रोजे शन का सपोर्ट किया था

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने दुनिया के नए नक्शे को लेकर आपत्ति जताई है। विदेश मंत्रालय ने रविवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख समेत भारत का पूरा इलाका भारत के आधिकारिक नक्शे के हिसाब से ही दिखना चाहिए। भारत के इलाके को गलत या भ्रामक तरीके से दिखाना उसे मंजूर नहीं है।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि भारत ने संयुक्त राष्ट्र (UN) के उस प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया है, जिसमें दुनिया के नक्शे पर देशों और महाद्वीपों का आकार उनके असली क्षेत्रफल के करीब दिखाने की बात कही गई है। हालांकि, भारत ने साफ किया कि इसका मतलब किसी एक खास नक्शे को मंजूरी देना नहीं है। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने शुक्रवार को दुनिया के नक्शे को नए तरीके से दिखाने का प्रस्ताव पास किया। इस बदलाव से किसी देश या महाद्वीप का असली क्षेत्रफल नहीं बदलेगा। सिर्फ नक्शे पर उनका आकार पहले से कुछ छोटा या बड़ा नजर आएगा। अभी दुनिया में मर्केटर मैप काफी



भारत की आपी वों हैं... भारत को ह के इस नए नक्शे के तरीके से आपत्ति नहीं है। भारत ने बराबर क्षेत्रफल दिखाने वाले नक्शे के प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया है। उसकी आपत्ति नक्शे में भारत के क्षेत्र को गलत तरीके से दिखाए जाने की संभावना को लेकर है।

इस्तेमाल होता है। इसमें नक्शे पर धुंनों के पास के इलाके अपने असली आकार से बड़े दिखाई देते हैं। नए तरीके को इक्वल एरिया प्रोजेक्शन कहा गया है। इसमें अफ्रीका पहले से बड़ा, जबकि यूरोप और उत्तरी अमेरिका छोटे नजर आएंगे। एशिया के कुछ हिस्से भी दिखाने का प्रस्ताव पास किया। इस बदलाव से किसी देश या महाद्वीप का असली क्षेत्रफल नहीं बदलेगा। सिर्फ नक्शे पर उनका आकार पहले से कुछ छोटा या बड़ा नजर आएगा।

कर्मचारियों का सवाल- या इसरो रॉकेट नहीं बनाएगा?

9 संगठनों ने प्राइवेटाइजेशन पर स्पष्टीकरण मांगा

» कांग्रेसी बोली- साराभाई की विरासत खत्म की जा रही

नई दिल्ली, एजेंसी। इसरो के नौ कर्मचारी संगठनों ने स्पेस एजेंसी के चेयरपर्सन वी. नारायणन को पत्र लिखकर प्राइवेटाइजेशन पर स्पष्टीकरण मांगा है। यह लेटर 4 सितंबर को लिखा गया। जानकारी आज सामने आई है। कर्मचारियों ने लेटर में ISRO की मैनुफैक्चरिंग और ऑपरेशनल काम निजी कंपनियों को सौंपने की प्रस्तावित योजना पर आधिकारिक जवाब मांगा है।

इसरो के अंदर से सवाल उठने की या है वजह... इसरो की भूमिका को लेकर यह सवाल 21 अगस्त को IN-SPACE चेयरपर्सन पवन गोयनका की टिप्पणी के बाद उठा है। एक कार्यक्रम में गोयनका ने कथित तौर पर कहा था कि आखिरकार ISRO कोई लॉन्च व्हीकल नहीं बनाएगा और न ही किसी लॉन्च व्हीकल का निर्माण करेगा। यह सब निजी क्षेत्र या PSU करेगा। IN-SPACE निजी क्षेत्र की गतिविधियों को बढ़ावा देने, मंजूरी देने और उनकी निगरानी का काम करता है।



उधर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने ज़ु पर लिखा कि स्पेस एजेंसी के अंदर से आवाजें उठने

लगी हैं। जब साराभाई और धवन की विरासत को व्यवस्थित तरीके से खत्म किया जा रहा है तो बाकी

चुनाव प्रचार के लिए पार्टियां इंलूएसर्स का नेटवर्क बना रहीं

रील्स के जरिए प्रचार करेंगी, 30 लाख देने का तैयार; यूपी, उराखंड, पंजाब में अगले साल इले शन

नई दिल्ली, एजेंसी। राजनीतिक दलों की ताकत का पुराना आधार संगठन और कार्यकर्ता रहे हैं। अब इनके समानांतर कंटेन क्रिएटर्स और माइक्रो इन्फ्लुएंसर्स की 'डिजिटल फौज' खड़ी हो रही है। इनके पास न पार्टी का पद है, न झंडा। लेकिन, हजारों-लाखों स्क्रीन तक पहुंच है।

युवा आंदोलनों ने इसकी ताकत दिखा दी है। आंदोलन की सूचना, नैटिव और सरकार से सवाल अब सिर्फ सभा, पोस्टर या प्रेस कॉन्फ्रेंस के भारसे नहीं हैं। एक रील, सीम या शॉर्ट वीडियो कुछ घंटों में लाखों युवाओं तक



पहुंच सकता है।

यूपी, पंजाब और उत्तराखंड के

विधानसभा चुनाव से पहले पार्टियां 10 से 50 हजार फॉलोअर्स वाले स्थानीय इन्फ्लूएंसर्स का नेटवर्क बनाने में जुटी हैं। डिजिटल कैपेन से जुड़े लोगों के अनुसार, छोटे और मझोले इन्फ्लूएंसर किसी दल से स्थायी रूप से नहीं जुड़ते। वे अलग-अलग समय पर भाजपा, कांग्रेस, आप या अन्य दलों के लिए काम कर सकते हैं। 50 लाख से ज्यादा सब्सक्राइबर, तो 30 लाख रूपए मिलते हैं: राजनीतिक रील के 15 से 50 हजार रू. और पोस्ट के 15 से 20 हजार रू. तक दिए जाने के दावे हैं। सोशल मीडिया

कंपनी चलाने वाले श्याम तिवारी के अनुसार, 5 लाख तक सब्सक्राइबर वाले क्रिएटर 50 हजार से एक लाख रूपए तक लेते हैं। 50 लाख से ज्यादा सब्सक्राइबर वाले बड़े क्रिएटर का एक कंटेन 30 लाख रूपए तक पहुंच सकता है। राजनीतिक पेमेंट नकद में चलने के दावे हैं। चुनाव आयोग सोशल मीडिया राजनीतिक विज्ञापन और चुनावी खर्च को नियमन के दायरे में रखता है। एएससीआई ग्राइडलाइंस भी विज्ञापन की स्पष्ट सूचना देने को कहती हैं। पर, कोई शिक्षक शिक्षा नीति की

स्थानीय असर ज्यादा अहम, सरकारों ने बना दिए रेटे कोड... पार्टियां क्रिएटर की सामाजिक पहुंच, विचारधारा और बाँड़ी लैंग्वेज तक परखती हैं। 15 हजार फॉलोअर्स वाला शिक्षक, किसान, कॉमेडियन कहीं-कहीं राष्ट्रीय सेलिब्रिटी से ज्यादा प्रभावी हो सकता है। त्वरित नैरेटिव के लिए इंस्टाग्राम इन्फ्लूएंसर और नेता की छवि गढ़ने के लिए पॉइकार्ट का इस्तेमाल किया जा रहा है।

तारीफ करे तो दर्शक कैसे पहचाने कि यह पेड प्रचार है।

सिकिम में लैंडस्लाइड, दो नदियों का रास्ता बंद, पानी एक जगह जमा

यूपी में घाट डूबे, सड़क पर चिताएं जलीं; म.प्र. में नदियां उफनाईं

नई दिल्ली, एजेंसी। सिकिम के नंगा फरिस्ट इलाके में नंगा-टोसा रोड की नई सड़क कटिंग पर शनिवार देर रात लैंडस्लाइड हुई। यह लैंडस्लाइड थेंग टनल के सामने तीस्ता और च्याकोऊंग नदियों के संगम के पास हुई। इससे दोनों नदियों का बहाव रुक गया और इलाके में पानी इकट्ठा होने लगा।

वहीं, यूपी के 18 जिलों में रविवार को बारिश का अलर्ट है। 26 जिलों के 3.53 लाख लोग बाढ़ से परेशान हैं। प्रयागराज में घाट डूबने से सड़क पर चिताएं जलानी पड़ रही हैं। उधर, बिहार के 18 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। पटना के गांधी घाट पर गंगा ने 10 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। शनिवार को यहां जलस्तर 50.57 मीटर



पहुंच गया। 2016 में 50.52 मीटर दर्ज किया गया था। मध्य प्रदेश में नर्मदा समेत कई नदियां उफान पर हैं। बरगो, भदभदा और कलियासोत डैम के गेट खुल चुके हैं। प्रदेश में अब तक 30 इंच से ज्यादा बारिश हो चुकी है।

बिहार-महानंदा एक्सप्रेस को गलत सिग्नल, दिल्ली के बजाय सासाराम निकली

फिर इंजन और 2 कोच डिरेल हुए; कई ट्रेनें लेट, स्टेशन मास्टर सस्पेंड

भोजपुर, एजेंसी। बिहार के आरा में रविवार सुबह करीब 4 बजे 15483 अलीपुरद्वार जंक्शन-दिल्ली महानंदा एक्सप्रेस डिरेल हो गई। एक जनरल और एक AC बोगी पटरी से उतर गई। घटना पंडित दीनदयाल उपाध्याय-दानापुर रेलखंड पर हुई। घटना के बाद रेलवे स्टाफ और ट्रेन में सवार यात्रियों के बीच हड़कंप मच गया। आनन-फानन में रेलवे के अधिकारी-



नेपाल की थेरांग नदी में बाढ़, बूढ़ीगंडकी अलर्ट पर

गोरखा में 4 घर और सस्पेंशन ब्रिज बहा; अब तक 1344 शव मिले, 5 हजार लापता

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के पहाड़ी जिले गोरखा में रविवार सुबह थेरांग नदी में बाढ़ आ गई। इसके बाद प्रशासन ने बूढ़ीगंडकी नदी के बेसिन में अलर्ट जारी किया है। बाढ़ में 4 घर और एक सस्पेंशन ब्रिज बह गया। हालांकि, हादसे में किसी के हाताहत होने की खबर नहीं है।

जिला पुलिस के मुताबिक पानी बढ़ने की जानकारी मिलते ही लोग घरों से निकलकर सुरक्षित जगह पहुंच गए थे। इसलिए किसी की मौत नहीं हुई। 26 अगस्त को आई बाढ़ में अब तक 1,344 शव मिल चुके



है, जबकि करीब 5 हजार लोग अब भी लापता हैं। करीब 400 अरब नेपाली रुपये के नुकसान का

शुरुआती अनुमान है। बाढ़ का असर अब नेपाल के पर्यटन कारोबार पर भी दिख रहा है।

नेपाल पुलिस की चेतावनी- बाढ़ में मिला सोना-कैश रखा तो कार्रवाई होगी... नेपाल पुलिस ने लोगों से अपील की है कि बाढ़ में बहकर मिले सोने-चांदी, कैश और दूसरे कीमती सामान को अपने पास न रखें और न ही बेचें। पुलिस ने कहा कि ऐसा कोई सामान या जरूरी दस्तावेज मिलने पर उसे नजदीकी पुलिस कार्यालय में जमा कराए, ताकि उसे उसके असली

मालिक तक पहुंचाया जा सके।

सेवानिवृत्त शिक्षकों का कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने किया सम्मान

कलेक्टर ने कहा-आपका अनुभव हमारे लिए महत्वपूर्ण जिले की शैक्षणिक पहलों में सहयोग का किया आग्रह

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शिक्षक दिवस के अवसर पर जिले के सेवानिवृत्त शिक्षकों के सम्मान एवं उनके अनुभवों से नई पीढ़ी को जोड़ने के उद्देश्य से कलेक्टर विकास मिश्रा की पहल पर ईंडियन कॉफी हाउस में विशेष भोज का आयोजन किया गया कार्यक्रम में जिले के 15 सेवानिवृत्त शिक्षक शामिल हुए । इ स अवसर पर कलेक्टर विकास मिश्रा, पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सौम्या आनन्द, अपर कलेक्टर बोपी पाण्डेय, जिला परियोजना समन्वयक विनय मिश्रा, जिला जनसंपर्क अधिकारी अधिकारी मुकेश मिश्रा, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग पीके पाण्डेय ने सेवानिवृत्त शिक्षकों के साथ आत्मीय संवाद किया। अतिथियों द्वारा सभी शिक्षकों को शाल एवं श्रीरामचरितमान भेंट कर सम्मानित किया गया



कलेक्टर विकास मिश्रा ने सेवानिवृत्त शिक्षकों से संवाद करते हुए कहा कि आपका अनुभव हमारे लिए महत्वपूर्ण है। आपने अपने सेवाकाल में विद्यार्थियों के भविष्य को संवारने का कार्य किया है। सेवानिवृत्ति के बाद भी आपके अनुभव और मार्गदर्शन का लाभ जिले के विद्यार्थियों को मिल सकता है।

उन्होंने शिक्षकों से जिले में शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे नवाचारों एवं प्रयासों में अपनी क्षमता के अनुसार सहयोग देने का आग्रह किया। कलेक्टर ने बताया कि जिले के शासकीय विद्यालयों में विद्यार्थियों को नोट एवं जेईई की तैयारी के लिए कोचिंग प्रारंभ की गई है इसके साथ ही संजय गांधी महाविद्यालय में विद्यार्थियों

को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने के लिए भी पहल की जा रही है। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों को और प्रभावी बनाने में अनुभवी शिक्षकों का मार्गदर्शन महत्वपूर्ण हो सकता है। सेवानिवृत्त शिक्षकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सेवाकाल पूर्ण होने के बाद भी प्रशसन द्वारा उन्हें याद कर



सम्मानित करना उनके लिए भावुक एवं सुखद अनुभव है उन्होंने कहा कि उनके अनुभव को महत्व दिया जाना और विद्यार्थियों के हित में उसका उपयोग करने का अवसर मिलना उनके लिए विशेष संतोष की बात है। शिक्षकों ने जिले के विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए अपनी क्षमता के अनुसार

सहयोग देने की इच्छा भी व्यक्त की कार्यक्रम में शिक्षकों ने अपने सेवाकाल के अनुभव, संस्मरण एवं शिक्षा व्यवस्था से जुड़े अपने सुझाव भी साझा किए। आयोजन का उद्देश्य केवल सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान करना नहीं, बल्कि उनके अनुभव एवं मार्गदर्शन को जिले की शैक्षणिक गतिविधियों से जोड़ना भी रहा।

सीधी जिले की तीन स्वास्थ्य संस्थाओं को भारत सरकार से छफ़ै गुणवत्ता प्रमाण पत्र

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। स्वास्थ्य संस्थाओं में उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार के लिए भारत सरकार के राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र द्वारा राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (छफ़ै) के तहत चिन्हित स्वास्थ्य संस्थाओं का भौतिक मूल्यांकन किया गया था। मूल्यांकन के उपरांत सीधी जिले की तीन स्वास्थ्य संस्थाओं को छफ़ै गुणवत्ता प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है छफ़ै के तहत 20, 21 एवं 22 अगस्त 2026 को स्वास्थ्य संस्थाओं में उपलब्ध विभिन्न सेवाओं का भौतिक मूल्यांकन किया गया। रायपुर के डॉ. दिनेश कुमार एवं दिल्ली के डॉ. शेर सिंह कक्कड़ द्वारा 12 निर्धारित सेवाओं के आधार पर मूल्यांकन किया गया। भारत सरकार द्वारा 1 सितंबर 2026 को मूल्यांकन का परिणाम जारी किया गया ज 1 र 1 परिणाम के अनुसार आयुष्मान आरोग्य मंदिर जामोड़ी ने 86.83 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पूर्ण गुणवत्ता प्रमाण पत्र हासिल किया है। संस्था का मूल्यांकन 22 अगस्त को किया गया था इसी प्रकार आयुष्मान आरोग्य मंदिर ऐंठी ने 83.33 प्रतिशत

तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिर बल्हया ने 84.77 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सशर्त गुणवत्ता प्रमाण पत्र हासिल किया है। ऐंठी का मूल्यांकन 20 अगस्त तथा बल्हया का मूल्यांकन 21 अगस्त को किया गया था। दोनों संस्थाओं को छह माह की वैधता के साथ सशर्त प्रमाणीकरण प्रदान किया गया है मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार खरे ने बताया कि यह उपलब्धि स्वास्थ्य विभाग की टीम के निरंतर प्रयासों और कठिन परिश्रम का परिणाम है। उन्होंने कहा कि सशर्त प्रमाणीकरण प्राप्त दोनों स्वास्थ्य संस्थाओं में मूल्यांकन के दौरान चिन्हित कमियों को शीघ्र दूर कर पूर्ण गुणवत्ता प्रमाणीकरण प्राप्त करने की दिशा में कार्य किया जाएगा उन्होंने बताया कि जिले की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं को राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को कार्ययोजना तैयार कर चरणबद्ध तरीके से कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि जिले के नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

स्वास्थ्य मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर आदिवासी कांग्रेस का धरना विक्रांत भूरिया बोले- स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल, कल्पना मिश्रा मामले में निष्पक्ष कार्रवाई की मांग

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रदेश में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की बदहाली और कथित लापरवाही के विरोध में आदिवासी कांग्रेस ने रविवार को कमिश्नरी कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने स्वास्थ्य मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल के इस्तीफे की मांग की धरने को संबोधित करते हुए आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए भूरिया ने आरोप लगाया कि प्रदेश में लोगों को समय पर समुचित उपचार नहीं मिल पा रहा है और स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति लगातार खराब हो रही है उन्होंने रीवा में कल्पना मिश्रा और उनके नवजात शिशु की मौत की घटना का उल्लेख करते हुए मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई और निष्पक्ष जांच की मांग की उन्होंने बालाघाट और छिंदवाड़ा में बच्चों की मौत की घटनाओं का भी उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसी घटनाओं को लेकर सरकार को जवाबदेही तय करनी चाहिए। भूरिया ने आरोप लगाया कि प्रदेश में भ्रष्टाचार और अव्यवस्थाओं के कारण आम लोगों को पेशानी उठनी पड़ रही है।



आदिवासी समाज का आंदोलन जारी रहेगा उन्होंने कहा कि रीवा से शुरू हुआ यह आंदोलन आगे प्रेश और देश स्तर पर आदिवासी समाज के अधिकारों के लिए संघर्ष का रूप लेगा उन्होंने प्रेश में कानून व्यवस्था और भ्रष्टाचार को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। भूरिया ने कहा कि जनता सरकार की कार्यणाली से पेशान है और आने वाले समय में इसका जवाब देगी।

करीम नेताओं ने भी रखे विचार: कार्यक्रम का संचालन ऑल इंडिया आदिवासी कांग्रेस की

राष्ट्रीय समन्वयक अर्चना पोते ने किया धरने को मध्यप्रदेश आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रामू टेकाम, केके शास्त्री, चंद्रा सरवटे, अजय सिंह, शिवशंकर गोठिया सहित अन्य नेताओं ने संबोधित किया धरने में कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेंद्र शर्मा, पूर्व राज्यसभा सांसद राजमणि पटेल, सेमरिया विधायक अभय मिश्रा, महापौर अजय मिश्रा बाबा, पूर्व विधायक सुखेंद्र सिंह बना सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वन्यजीव तस्करी के तीन आरोपी गिरफ्तार पिपराही से पकड़े गए आरोपी भाजपा नेता के पौत्र का नाम सामने आने से चर्चा, STF की जांच जारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। वन्यजीव तस्करी के खिलाफ स्टेट गृहगर रिजर्व टास्क फोर्स (STF) और वन विभाग की कार्रवाई में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है टीम ने शनिवार सुबह सीधी-मऊरांज जिले की सीमा पर स्थित ग्राम पिपराही से तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया था कार्रवाई को शनिवार और रविवार को गोपनीय रखा गया। रविवार शाम करीब 4 बजे आरोपियों को मेडिकल जांच के लिए जिला अस्पताल सीधी लाया गया इसके बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया गया STF की टीम वन्यजीव तस्करी से जुड़े संभावित नेटवर्क की जांच कर रही है जांच के दौरान मोबाइल चैट और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को



खंगाला जा रहा है बताया जा रहा है कि टीम ने तस्करी से जुड़े लोगों तक पहुंचने के लिए व्यापारी बनकर संपर्क साधा था जांच में सांभर चीतल सहित अन्य वन्यजीवों के अवशेष और मगरमच्छ की खाल से जुड़े इनपुट भी सामने आए हैं। हालांकि इनकी बचतगी और पूरे नेटवर्क को लेकर विभाग की विस्तृत जानकारी जांच पूरी होने के बाद सामने आएगी पकड़े गए आरोपियों में अनमोल सिंह चंदेल पिता

रणबहादुर सिंह चंदेल, निवासी ग्राम बीरा देती, उम्र करीब 25 वर्ष, अभिषेक उर्फ प्रिंस सिंह चंदेल, पिता पुष्पराज सिंह चंदेल, निवासी ग्राम दुधामनिया, उम्र करीब 27 वर्ष और लल्ला बैगा, निवासी ग्राम जडुकुड़ शामिल हैं आरोपी अभिषेक उर्फ प्रिंस सिंह चंदेल का नाम सामने आने के बाद मामला राजनीतिक चर्चा में भी आ गया है बताया जा रहा है कि अभिषेक भाजपा के वरिष्ठ नेता शिव बहादुर सिंह चंदेल के पौत्र हैं शिव बहादुर

सिंह चंदेल पूर्व में भाजपा की ओर से सिविल्स विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी रह चुके हैं हालांकि आरोपी की भूमिका और तस्करी नेटवर्क में उसकी कथित सलिप्तता को लेकर STF की जांच जारी है STF की जांच सीधी तक सीमित नहीं है संभावित नेटवर्क के तार आगरा और तमिलनाडु तक जुड़े होने की आशंका की भी पड़ताल की जा रही है अधिकारियों द्वारा मोबाइल चैट और अन्य डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर नेटवर्क से जुड़े लोगों की जानकारी जुड़ाई जा रही है DFO राजेश कन्ना टी ने बताया कि तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और उन्हें न्यायालय में पेश किया जा रहा है वन विभाग और STF द्वारा मामले में आगे की जांच की जा रही है।

विशेष डीएलसीसी बैठक में शासकीय ऋण योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

कलेक्टर ने अर्धवार्षिक लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए बैंक एवं विभागीय अधिकारियों को दिए निर्देश



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला पंचायत सभागार में कलेक्टर विकास मिश्रा की अध्यक्षता में विशेष

जिला स्तरीय बैंकर्स समिति (डीएलसीसी) की बैठक शनिवार आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित

विभिन्न शासकीय ऋण योजनाओं तथा बैंकिंग गतिविधियों की प्रगति की विभागवार एवं बैंकवार समीक्षा की गई कलेक्टर विकास मिश्रा ने विभिन्न विभागों एवं बैंकों द्वारा शासकीय ऋण योजनाओं के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अर्धवार्षिक लक्ष्यों की समय-सीमा में प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने में विभागों एवं बैंकों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। उन्होंने लॉबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करते हुए पात्र

हितग्राहियों को समय पर ऋण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए बैठक में उत्कृष्ट कार्य करने वाली मध्यांचल ग्रामीण बैंक की जमोड़ी शाखा को आजीविका मिशन के अंतर्गत सीसीएल ऋण के निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने पर मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। कलेक्टर ने बैंक शाखा द्वारा किए गए कार्य की सराहना करते हुए अन्य बैंक शाखाओं को भी शासकीय योजनाओं के लक्ष्यों की प्रभावी पूर्ति के लिए प्रेरित किया मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीधी सौम्या आनन्द ने भी बैठक में उपस्थित विभागीय

अधिकारियों एवं बैंक शाखा प्रबंधकों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया उन्होंने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विभागों और बैंकों के मध्य समन्वय बढ़ाने तथा हितग्राही-केंद्रित कार्यप्रणाली अपनाने पर जोर दिया बैठक में अग्रणी जिला प्रबंधक शिवेंद्र कुमार चौधरी, जिला विकास प्रबंधक नाबार्ड देवेश कुमार, जिला परियोजना प्रबंधक एनआरएलएम पुष्पेंद्र सिंह सहित विभिन्न शासकीय विभागों के अधिकारी एवं जिले के सभी बैंकों के शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत मझौली की 36 उचित मूल्य दुकानों का निरीक्षण

सात संयुक्त जांच दलों ने दुकानों की व्यवस्थाओं का लिया जायजा, उपभोक्ताओं से प्राप्त किया फीडबैक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत कलेक्टर विकास मिश्रा के निदेश पर 5 सितंबर को मझौली विकासखंड में संचालित 36 शासकीय उचित मूल्य दुकानों का निरीक्षण किया गया। कलेक्टर द्वारा 3 सितंबर को आयोजित समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन में खाद्य, सहकारिता, नागरिक आपूर्ति निगम एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अधिकारियों को शामिल करते हुए 7 संयुक्त जांच दल गठित किए गए थे। अभियान के दौरान जांच दलों ने उचित मूल्य दुकानों की संचालन व्यवस्था, उपलब्ध खाद्यान्न, वितरण प्रक्रिया तथा उपभोक्ताओं को उपलब्ध कवाई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। दलों द्वारा उपभोक्ताओं से सीधे संवाद कर दुकान की व्यवस्थाओं एवं खाद्यान्न



वितरण के संबंध में फीडबैक भी प्राप्त किया गया निरीक्षण के दौरान दुकानों में खाद्यान्न की उपलब्धता, वितरण व्यवस्था तथा उपभोक्ताओं को शासन की योजनाओं के अनुरूप खाद्यान्न प्राप्त होने की स्थिति की जानकारी ली गई। जांच दलों ने मौके पर उपभोक्ताओं से चर्चा कर उनकी समस्याओं एवं अनुभवों को भी जाना कलेक्टर विकास मिश्रा ने सभी जांच दलों को निरीक्षण के उपरंत प्रतिवेदन सक्षम अधिकारी को प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। निरीक्षण में जिन उचित मूल्य दुकानों पर

अनियमितता पाए जाने की पुष्टि होगी, वहां संबंधित दुकान संचालक एवं प्रबंधक के विरुद्ध कवाई के लिए प्रकरण सक्षम अधिकारी को भेजा जाएगा प्रशासन द्वारा आगामी दिनों में जिले के अन्य जनपद पंचायत क्षेत्रों में भी इसी प्रकार जांच एवं निरीक्षण की कवाई की जाएगी। अभियान का उद्देश्य उचित मूल्य दुकानों की व्यवस्थाओं में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करना तथा पात्र हितग्राहियों को शासन की खाद्य योजनाओं का लाभ सुचारु रूप से उपलब्ध करना है।

वास्तविकताओं से दूर-1

विधानसभा का मानसून सत्र इस लिहाज से अलग रहा कि यहां इसकी-उसकी बहस में मुद्दों का यथार्थ तपा और कई प्रश्नों के जवाब में वास्तविकताओं को मंजूरी मिल गई। यहां सरकार के कड़े फैसले अगर यथार्थ समझा जाए, तो विपक्ष की निगरानी ने सरकार से वास्तविकता उगलवा ली। कुछ विधेयक इस दिशा में प्रदेश के सच की गवाही दे रहे हैं, तो कुछ फैसलों की निगाह से विपक्ष ने सुरमा चुरा लिया। हो हल्ला जहां हुआ, वहां विजनेस के मायने दोनों पक्षों में इतने बटे कि सत्र अपने आप में स्पष्टीकरण बन गया। सरकार ने माना कि 3315 रिंगल टीचर स्कूलों के

अस्तित्व के लिए नीति लाने की जरूरत है। सरकारी बसों का लेखा जोखा और इलेक्ट्रिक बसों की रफ्तार पर एक सार्थक बहस हुई, तो सरकार ने माना कि जरूरत के अनुसार नई बसें खरीदी जाएंगी। यहां सरकार के संकल्प दर्ज हुए तो राज्य की रफ्तार में एक हजार इलेक्ट्रिक बसें आएंगी और कोशिश यह कि दो सौ हाइड्रोजन बसों का प्रयोग किया जाएगा। सरकारी विश्वविद्यालयों के भर्ती नियमों के टकराव पर सियासत के गिले-शिकवे एकतरफ, मगर यहां लोक सेवा आयोग या सरकारी एजेंसी के माध्यम से शिक्षक और गैर शिक्षक वर्ग के कर्मचारी

नियुक्त होंगे। सत्र में घोषणाओं पर बजी तालियों का यथार्थ भी सामने आया। कई सालों से हम रज्जु मार्गों का जाल बुना जा रहा है और राजधानी शिमला में ट्रैफिक ट्रॉजिट सिस्टम के तहत एक व्यापक योजना के तहत रज्जु मार्ग परियाोजना का श्रीगणेश हो रहा है, लेकिन सत्र ने स्पष्ट कर दिया कि इनके लिए निजी निवेश की जरूरत है। सरकार पीपी मोड के तहत रज्जु मार्गों की स्थापना पर रजामंद है। ऐसे में पी पी मोड

के तहत पलचान-रोहतांग, चित्तपूर्ण मंदिर, बिजली महदेव, बाबा बालक नाथ, कुल्लू-ढालपुर रोप वे तथा नड्डू न्यू च्वाइट धर्मशाला जिपलाइन परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। यह

हकीकत है कि अब सरकार तहत एक व्यापक योजना में निजी क्षेत्र का पुंजी निवेश चाहिए। सराकर ने केंद्र के रवैये का यथार्थ भी बार-बार विपक्ष के सामने रखा, इसलिए हर उल्लेख आया गया नहीं है। खास तौर पर प्रधानमंत्री द्वारा घोषित पन्द्रह सौ रुपए की आपद

राहत राशि का रास्ता जिस ईमानदारी से हिमाचल से जुड़ना था, नहीं जुड़ा। इसी तरह विपक्ष ने हर प्रश्न के साथ वास्तविक स्थिति की परीक्षा ली मसलन 26724 आउटसोर्स कर्मचारियों के भविष्य का सवाल, राज्य पर बढ़ते उधार की पैमाइश, हिमकेयर योजना के पेंडिंग 388 करोड़, आईपीएस-आईएस अधिकारियों के पदों में कटौती तथा विभिन्न रिक्तियों पर यथार्थ खोजा गया। विपक्ष खेत तक गया और यूरिया की बोरी से नैनो यूरिया का बोझ हटवा दिया। मंदिरों के आय-व्यय का चिट्ठा खुला, तो सरकार ने इच्छा जाहिर की कि सामाजिक कार्यों में आस्था के स्रोत

इस्तेमाल होंगे। सत्र की महिमा में बल्क ड्रग पार्क की वास्तविकता पृछी गई, तो पता चला कि आगामी मार्च तक काम शुरू हो जाएगा। प्रदेश किस्मत की लाटरी खेलेगा, इसलिए इसे आर्थिक संसाधनों की खोज माना गया। विधानसभा सत्र की खुश्वी में राजनीति से ऊपर प्रदेश के महीन विषय भी उठे, तो जिक्र कांग्रेस की गारंटियों, कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार और जलजीवन मिशन की बंद पड़ी 279 योजनाओं तक पहुंच गया। सरकार अब इस यथार्थ को स्वीकार कर चुकी है कि फैसले चाहे सख्त हों, लेकिन प्रदेश के भविष्य को रेखांकित जरूर करें।

आइआइटी संस्थानों में यों सुसाइड कर रहे हैं होनहार?

मनोज कुमार अग्रवाल

देश के प्रतिष्ठित आईआईटी व आईआईएम जैसे उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों की आत्महत्या के मामलों की झड़ी लगी है।?एक रिपोर्ट के अनुसार देशभर के आईआईटी में पांच वर्षों में 70 होनहारों ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। जबकि जुलाई से शुरू नए सत्र में अब तक आईआईटी में तीन व आईआईएम में एक सुसाइड की वारदात सामने आ चुकी है। रिपोर्ट बताती है कि आईआईएससी बंगलूरू में भी 15 दिन में दो छात्रों ने खुदकशी की है। आपको बता दें कि भारत के प्रमुख तकनीकी संस्थानों में छात्रों द्वारा आत्महत्या के बढ़ते मामले एक बेहद गंभीर और संवेदनशील चिंता का विषय बन चुके हैं। हाल ही में, 22 अगस्त 2026 को आईआईटी दिल्ली के एमएससी भौतिकी के 31 वर्षीय छात्र ऋषिकेश कुमार ने परिसर की एक इमारत से कूदकर अपनी जान दे दी। इस घटना के बाद संस्थान में छात्रों द्वारा बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं।यह स्थिति केवल एक संस्थान तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के कई शीर्ष इंजीनियरिंग परिसरों में मानसिक तनाव और शैक्षणिक दबाव की गहरी समस्याओं को उजागर करती है।हालिया प्रमुख घटनाएं और आकड़ेआईआईटी दिल्ली ऋषिकेश कुमार की मृत्यु के बाद, छात्रों ने न्याय की मांग को लेकर फ्लैश मार्च निकाला और कक्षाओं का बहिष्कार किया। छात्रों का आरोप है कि ऋषिकेश मानसिक तनाव से गुजर रहे थे और उन्हें प्रशासन से आवश्यक सहयोग व हॉस्टल सुविधा नहीं मिली। पिछले 30 महीनों में इस संस्थान में यह आठवाँ आत्महत्या है।वर्ष 2026 की शुरुआत (जनवरी) में पीएचडी स्कॉलर राम स्वरूप ईश्वरम ने आत्महत्या कर ली थी, जिससे पहले दो हफ्तों के भीतर ही परिसर में एक और छात्र जय सिंह मीना की मौत हुई थी। इस संस्थान ने भी पिछले दो वर्षों में कई ऐसी दुखद घटनाएं देखी हैं। अगस्त 2026 में आईआईटी खड़गपुर के भी एक छात्र की परिसर में ऊंचाई से गिरने से मौत हुई। रिपोर्टों के अनुसार, देश के शीर्ष 11 आईआईटी में पिछले 5 सालों में 35 से अधिक छात्रों ने आत्महत्या की है, जिनमें आईआईटी मद्रास, हैदराबाद और दिल्ली सबसे आगे रहे हैं।

विभिन्न जांच समितियों, शिक्षाविदों और स्वयं छात्रों के अनुसार इन आत्महत्याओं के पीछे जो कारण रेखांकित किए गए हैं उनमें शैक्षणिक दबाव कड़ा पाठ्यक्रम, लगातार परीक्षाएं, ग्रेडिंग सिस्टम और असाइनमेंट का अत्यधिक बोझ छात्रों को मानसिक रूप से थका देता है।भविष्य और करियर की चिंता के चलते छात्र छात्राओं में अवसाद घर कर जाता है। प्लेसमेंट न होना, इंटरशिप के अवसरों से वंचित होना या रिसर्च प्रोजेक्ट्स में आने वाली अड़चनें छात्रों में भारी अनिश्चितता पैदा करती हैं।सामाजिक अलगाव एक बड़ा कारण है कई छात्र अपने परिवारों से दूर रहने, कड़ी प्रतियक्षा और संवाद की कमी के कारण अकेलेपन और अवसाद का शिकार हो जाते हैं।प्रशासनिक और सुपरवाइजर का व्यवहार भी इन घटनाओं के लिए लिए जिम्मेदार है विशेषकर पीएचडी और मास्टर्स के छात्रों में यह देखा गया है कि गाइड या प्रशासन के कथित अस्वेदनशील रवैये या अत्यधिक नियंत्रण के कारण छात्र खुद को असहाय महसूस करते हैं।जातिगत या लैंगिक भेदभाव से भी इस तरह की वारदातों की तादाद कम नहीं हो रही है। कुछ मामलों में वंचित पृष्ठभूमि से आने वाले छात्रों ने भेदभाव या पूर्वाग्रहों का सामना करने की बात भी उठाई है। आपको बता दें कि आईआईटी दिल्ली में 30 महीनों में आठवें छात्र की आत्महत्या की खबर ने एक बार फिर देश के प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थानों के अंदरूनी अस्वस्थता को सामने ला दिया है। यह महज एक व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि व्यवस्थगत विफलता का प्रतीक है। जब एक संस्थान, जिसे देश की उच्च मेधा को तराशने का केंद्र माना जाता है,वहां आए दिन युवा छात्रों द्वारा सुसाइड की वारदात बेहद संवेदनशील और असामान्य स्थिति का हवाला देती है। इस पर सवाल उठाना स्वाभाविक है कि ऐसा आत्मघाती माहौल शिक्षण संस्थानों में कैसे पनप रहा है? कई मामलों में अवसाद, परीक्षा में असफलता का डर और समय रहते काउंसिलिंग नहीं मिलना प्रमुख कारण बताए गए हैं। छात्रों का आरोप है कि घटना के बाद प्रशासन का रवैया अक्सर औपचारिक शोक संदेश तक सीमित रह जाता है।

एक छात्र की मौत के बाद परिसर सामान्य हो जाता है, जैसे कुछ हुआ ही न हो। यही दोहराव छात्रों में गुस्सा और निराशा पैदा कर रहा है। हालिया घटना के बाद सैकड़ों छात्रों का प्रदर्शन, डीन और एसोसिएट डीन के इस्तीफे की मांग, स्वतंत्र जांच और परिवार को मुआवजे की मांग, ये सब इस गुस्से की अभिव्यक्ति हैं। प्रशासन का दावा है कि काउंसिलिंग सेवाएं, 24 घंटे मानसिक स्वास्थ्य सहायता और पाठ्यक्रम में लचीलापन उपलब्ध हैं।

योगेश कुमार गोयल

एक नाबालिग लड़की रात में एक अनजान बस में बैठती है, बस लंबी दूरी तय करती है, उसके भीतर अपराध होता है और रास्ते में किसी स्तर पर ऐसी प्रभावी निगरानी नहीं हो पाती, जो इस अपराध को रोक सके। रिपोर्टों के अनुसार बस में पढ़ लेते थे और सीसीटीवी की उपलब्धता को लेकर भी गंभीर सवाल सामने आए हैं। यदि सार्वजनिक परिवहन के किसी वाहन का अंदरूनी हिस्सा इस तरह बाहरी निगरानी से लगभग कट जाए कि उसमें बैठे यात्रियों की सुरक्षा ही संदिग्ध हो जाए तो ऐसे वाहनों को सड़कों पर चलने की अनुमति देने वाली व्यवस्था से जवाब मांगना स्वाभाविक है।

यहां एक और असहज सवाल है कि घटना 4 अगस्त की बताई जा रही है लेकिन पुलिस ने इसकी जानकारी 31 अगस्त को सार्वजनिक की। इतने लंबे अंतराल में क्या हुआ? क्या जांच की गोपनीयता इसका कारण थी? क्या पीड़िता की निजता और सुरक्षा के कारण जानकारी सीमित रखी गई? या फिर किसी प्रशासनिक स्तर पर सूचना प्रबंधन में चूक हुई? इन प्रश्नों का स्पष्ट और विश्वसनीय उत्तर सार्वजनिक होना चाहिए क्योंकि अपराध की गंभीरता के साथ-साथ पुलिस की जवाबदेही भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा है। यह जरूर उल्लेखनीय है कि शिकायत मिलने के बाद कश्मीरी गेट पुलिस ने कार्रवाई की, सीसीटीवी के जरिए बस की पहचान की और आरोपित चालक-परिचालक को गिरफ्तार किया, बस भी बरामद कर ली गई यानी अपराध के बाद पुलिस की जांच क्षमता पर सवाल उठाने से पहले यह भी स्वीकार करना होगा कि अपराधियों तक पहुंचने में तकनीकी निगरानी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन असली कसौटी गिरफ्तारी के बाद शुरू होती है। पुलिस का काम केवल अपराध होने के बाद अपराधी पकड़ना नहीं है, आधुनिक पुलिसिंग का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य अपराध होने से पहले उसे रोकना है। यदि सीसीटीवी अपराध के बाद बस का पता लगा सकता है तो सवाल यह है कि वही तकनीक संदिग्ध गतिविधि

को पहले क्यों नहीं पकड़ सकी? निर्भया कांड के बाद देश ने यही माना था कि अब व्यवस्था बदलेगी। दिसंबर 2012 में 23 वर्षीय युवती के साथ चलती बस में हुई बर्बरता ने पूरे देश को आंदोलित किया। कानून कठोर हुए, यौन अपराधों की कानूनी परिभाषाएं विस्तृत हुईं, नाबालिगों के खिलाफ यौन अपराधों के लिए अलग कानूनी ढांचा मजबूत हुआ और सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा के सवाल को राष्ट्रीय बहस

वह रात के अंधेरे में, सुनसान रास्ते पर, निगरानी से बाहर किसी वाहन में अपराध कर सकता है और उसे रोकने वाला कोई नहीं होगा तो कानून की किताब में लिखी कठोरतम सजा भी तत्काल निवारक शक्ति नहीं बन पाती। इसलिए चुनौती केवल कठोर कानून की नहीं, निश्चित निगरानी, त्वरित गिरफ्तारी और समयबद्ध न्याय की है।

दिल्ली और नोएडा पुलिस के बीच घटना को लेकर सामने आए



का हिस्सा बनाया गया। निर्भया मामले के चार दोषियों को 2020 में फांसी दी गई लेकिन 13 वर्ष बाद यदि एक नाबालिग लड़की फिर चलती बस में ऐसी ही दरिंदगी का शिकार होती है तो यह सवाल पृष्ठना जरूरी है कि हमने कानून तो बदल दिए लेकिन व्यवस्था कितनी बदली? कानून की कठोरता जरूरी है लेकिन कानून का डर केवल सजा के कठोरता से पैदा नहीं होता। अपराधी के मन में सबसे बड़ा भय पकड़े जाने की निश्चिन्ता का होता है। यदि उसे लगता है कि

कथित विरोधाभास भी चिंता बढ़ाते हैं।दिल्ली-एनसीआर आज एक ऐसा महानगरीय क्षेत्र है, जहां शहरों की सीमाएं आम नागरिक के लिए लगभग अदृश्य हैं लेकिन अपराध होने पर वही सीमाएं पुलिस के अधिकार क्षेत्र का प्रश्न बन जाती हैं। यदि कोई लड़की नोएडा में बस में चढ़ती है, दिल्ली की ओर आती है और दिल्ली में उतारी जाती है तो पुलिस की विभिन्न इकाइयों के बीच वास्तविक समय में समन्वय क्यों नहीं हो सकता? इस घटना का एक और पहलू सार्वजनिक

तय करनी होगी। ऐसी बसों का नियमित सुरक्षा ऑडिट हो, सीसीटीवी और आपातकालीन अलर्ट प्रणाली अनिवार्य रूप से काम करे, चालक-परिचालक का सत्यापन हो और उल्लंघन पर केवल जुर्माना नहीं, परमिट और संचालन अधिकार पर भी कठोर कार्रवाई हो। हालांकि हम इस घटना को केवल पुलिस की विफलता कहकर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकते। एक ओर 16 वर्ष की बच्ची रात में अकेले यात्रा करते हुए अपराधियों के निशाने पर आ

समाज को नहीं बचा सकता। हमारी सबसे बड़ी विडंबना यह है कि अपराध के बाद राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो जाती है, सत्ता पक्ष गिरफ्तारी को अपनी उपलब्धि बताता है और बहस कुछ दिनों बाद किसी दूसरे मुद्दे में दब जाती है लेकिन पीड़िता का भय, उसका भविष्य और उसके मन पर पड़ा आघात किसी राजनीतिक बयान से समाप्त नहीं होता। महिला सुरक्षा चुनावी नारा नहीं, शासन की बुनियादी कसौटी होनी चाहिए। 'महिलाएं रात में कितनी

असुरक्षित महसूस न करे। इसलिए इस घटना को केवल एक और अपराध मानकर भूल जाना सबसे बड़ी भूल होगी। यह चेतावनी है कि अपराधी तभी बेखौफ होते हैं, जब व्यवस्था में कहीं न कहीं भय का अभाव पैदा हो जाता है। उन्हें कानून से नहीं, कानून के निश्चित और निष्पक्ष क्रियाव्ययन से डरना होगा। समाज को भी यह तय करना होगा कि वह अपराध के बाद मोमबत्ती जलाने वाला समाज बनेगा या अपराध से पहले अपनी देहियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने वाला समाज।

मेडिसन स्वायर में मोहन भागवत: नफरत की सियासत और समावेशिता का मुखौटा

राम पुनियाजी

आरएसएस के मुखिया, सरसंघचालक मोहन भागवत इन दिनों तीन देशों की यात्रा पर हैं। प्रथम चरण में वे अमरीका पहुंचे जहां उनका मुख्य कार्यक्रम न्यूयार्क के मेडिसन स्वायर में मंचाना था। इस कार्यक्रम में करीब 5,000 लोगों के आने की उम्मीद थी। इस यात्रा का घोषित उद्देश्य था आरएसएस के बारे में व्यापक गलत धारणाओं को दूर करना, लोगों से संवाद करना और सारी दुनिया एक है का संदेश देना। इस कार्यक्रम का कड़ा विरोध हुआ था। विरोध करने वालों में लगभग 61 मानवाधिकार संगठन शामिल थे, जिन्होंने संघ परिवार की नफरत की राजनीति पर रोशनी डाली। विरोध करने वालों ने आरएसएस से जुड़े लोगों के लेखन का हवाला दिया जिसमें यहूदियों का कत्लेआम करने के लिए हिटलर की भ्रूि-भूरि प्रशंसा की गई थी और हिन्दू राष्ट्रवादियों को राष्ट्रनिर्माण के हिटलर के तरीके का अनुसरण करने के लिए कहा गया था।

विरोध प्रदर्शन कर रहे लोग बैनर लिए हुए थे जिन पर लिखा था कि आरएसएस ने महात्मा गांधी की हत्या की थी। यहां तक कि न्यूयार्क के मेयर जोहरन ममताजी, जो भारतीय मूल के हैं, ने भी आरएसएस की निंदा की और आरएसएस के आयोजन के प्रति अपनी नाराजगी दर्ज कराई। मगर उन्होंने कहा कि वे इसे रूकवाने में असमर्थ हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जिस भारत में वे बड़े हुए (वे भारतीय फिल्म निर्माता मीरा नायर के पुत्र हैं) उसमें विविधता का सम्मान था, वहीं आज का भारत एक असहिष्णु राष्ट्र बन गया है। कई हिन्दू संगठनों और अन्य मानवाधिकार संगठनों ने भी भागवत विरोधी प्रदर्शनों में भाग लिया। भागवत का कार्यक्रम 200 से अधिक संगठनों ने आयोजित किया था जो मुख्यतः पहचान से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित रहे हैं। कार्यक्रम में भागवत ने बहिष्करण की अपनी राजनीति को छिपाने का प्रयास करते हुए स्वयं को एक उदार व्यक्ति के रूप में दिखाने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि विविधता हमारी जन्मजात एकता का गहना है और मुस्लिम-मुक्त भारत चाहने वाला हिन्दू, हिन्दू नहीं रहेगा। बहुत अच्छी बात है! इस एक व्यक्ति और एक संस्था के बारे में अपनी राय को आधार पर या उसकी कार्र्गजारियों के आधार पर? अनेकता में एकता, सद्भाव और धर्मों की सीमाओं के परे लोगों में एकता, भारत के अतीत का हिस्सा रहे हैं। आजादी के संघर्ष के दौरान भागवतिष्ठ के आदर्शों, अम्बेडकर के मूल्यों और गांधी के बंधुत्व के साथ लोगों ने अंग्रेजों की



गुलामी से आजाद होने की लड़ाई लड़ी। आरएसएस-हिन्दू महासभा और मुस्लिम लीग लोगों को जोड़ने की इस प्रक्रिया से दूर बने रहे। इस दौरान आरएसएस ने केवल भारतीय राष्ट्र के निर्माण की प्रक्रिया के प्रति उदासीन रहा, बल्कि उसने मुसलमानों के प्रति नफरत फैलाने (और बाद में ईसाइयों के खिलाफ भी) में कोई कसर नहीं छोड़ी और कई तरह से ब्रिटिश शासकों की सहायता की। आरएसएस द्वारा अपनी शाखाओं, स्कूलों, मीडिया और बाद में सोशल मीडिया के माध्यम से फैलाई गई नफरत की वजह से बड़े पैमाने पर साम्प्रदायिक हिंसा हुई जिसके मुख्य शिकार मुसलमान हुए। जहां ब्रिटिश राज के दौरान हिन्दू और मुसलमान साम्प्रदायिक तत्वों के बीच लगभग बराबरी का मुकाबला था, वहीं आजादी के बाद आरएसएस की साम्प्रदायिकता का बोलबाला हो गया, जिससे इन दो प्रमुख समुदायों के बीच गहरी खाई बन गई। इसी नफरत के

चलते हमने 1993 में मुंबई में, 2002 में गुजरात में, 2013 में मुजफ्फरनगर और 2019 में दिल्ली में मुसलमानों के व्यापक नरसंहार की घटनाएं देखीं। आरएसएस की राजनीति का असली चेहरा गुजरात के बिलकोस बानो मामले से पूरी तरह साफ है। एक गर्भवती मुस्लिम महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म होता है, और इसके दोषियों को थोड़ा समय जेल में गुजारने के बाद रिहा कर दिया जाता है! यही है उसका महिलाओं के प्रति सम्मान भाव! उसने पवित्र गाय का मामला भी जोरशोर से उठाया जिसके नतीजे में कई मुसलमानों की लिंगिंच हुई। अखलाक, रकबर खान आदि के साथ ही कई दलित भी लिंगिंच का शिकार बने। उन्रा में लाटियों और लोहे की छड़ों से दलितों की पिटाई से आरएसएस के दलितों के प्रति रवैये की पोल खुल गई।

1980 के दशक से ईसाई भी आरएसएस के निशाने पर आ गए। जहां पास्टर स्ट्रेस और उनके

दो मासूम लड़कों को जिंदा जलाए जाने की घटना को तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. के.आर नारायणन ने ठीक ही मानव जाति के सबसे कलुषित कार्यों में से एक कहा था, वहीं कंधमाल की घटना ने दुबारा यह दिखाया कि 'ईसाई धर्म विदेशी है' का नारा आरएसएस का ही है। उसका ईसाइयों और मुसलमानों के खिलाफ रवैया पिछले करीब एक दशक से और कटु होता गया है। संघ की राजनैतिक शाखा लगभग 12 सालों से केंद्र की सत्ता पर काबिज है।

हाल में ईसाईयों की प्रार्थनासभाओं पर हमले की घटनाओं में काफी बढ़ोत्तरी हुई है। मुसलमानों का किस हद तक हाशियाकरण हो चुका है, यह इस बात से जाहिर है कि आरएसएस की राजनैतिक संतान भाजपा के कुल मिलाकर 1000 से अधिक सांसद एवं विधायक हैं मगर उनमें से एक भी आरएसएस का ही है। उसका ईसाइयों और मुसलमानों के प्रति समानता का भाव रखने के भागवत के दावे की हकीकत। सन् 2025 में यूएस कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम (यूएससीआईआरएफ), जो एक स्वतंत्र आयोग (यूएससीआईआरएफ) ने यह सिफारिश भी की थी कि कुछ व्यक्तियों एवं आरएसएस सहित कुछ संस्थाओं पर लक्षित प्रतिबंध लगाए जाएं जिसमें उनकी संपत्तियों को फ्रीज करना और अमरीका में उनके प्रवेश पर प्रतिबंध लगाना शामिल हो। सबसे हालिया घटनाक्रम में

यूएससीआईआरएफ ने भागवत और आरएसएस के अन्य नेताओं के साथ उच्चाधिकारियों की मुलाकातों और उन्हें राजनयिक शिष्यचार उपलब्ध कराए जाने के खिलाफ आवाह किया। कई मानवाधिकार संगठनों ने भी अमरीका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो से मांग की कि भागवत का अमरीका का वीजा निरस्त कर दिया जाए या उसे देने से इंकार कर दिया जाए।

आरएसएस का आचरण हमेशा से विविधता का सम्मान करने के उसके दावे के एकदम खिलाफ रहा है। लेकिन भागवत बहुत चतुराई से अपनी संस्था की हकीकत छिपा गए। विविधता का सम्मान करने का मुखौटा सिर्फ दुनिया की क्रियत करने का प्रयास, एक झंझा है। लेकिन क्या इंटरनेट के इस युग में और मानवाधिकारों को गंभीरता से लेने वाले इस दौर में दुनिया ये हकीकत छिपाकर रखना संभव हो सकेगा? जहां आरएसएस से संबद्ध 2,500 से अधिक संस्थाएं दुनिया भर में हैं वहीं केरेवान पत्रिका के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बहुत से ऐसे अस्थेता और कार्यकर्ता हैं जो मुसलमानों, ईसाइयों, दलितों, महिलाओं और आदिवासियों की भारत में वास्तविक स्थिति से दुनिया को अवगत करा रहे हैं।

ऐसा लगता है कि भागवत का मुख्य लक्ष्य विश्वव्यापी एकता को बढ़ावा देना नहीं बल्कि भारत में उसके द्वारा किए गए भयावह कार्यों पर पर्दा डालना है। धार्मिक स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की आजादी, स्वतंत्र प्रेस, भूख और प्रसन्नता संबंधी वैश्विक सूचकांकों पर भारत की स्थिति में अमरीका में उनके प्रवेश पर प्रतिबंध लगाना दूसरे के समानत हुआ है।

दो कारों की मामूली टक्कर के बाद विवाद, शोरूम मैनेजर पर चाबी छीनने का आरोप



मीडिया ऑडिटर, बिलासपुर (निप्र)। सिरगिट्टी थाना क्षेत्र में दो कारों की मामूली टक्कर के बाद विवाद हो गया इलाज करने बिलासपुर आई 65 वर्षीय महिला नूरजहां ने आरोप लगाया कि हदसे के बाद महिंद्रा शोरूम के मैनेजर रहलु घोषाल ने उनकी स्कॉर्पियो की चाबी छीन ली महिला के मुताबिक उनके परिवार के सदस्यों को करीब 3 से 4 घंटे तक शोरूम में बैठाकर रखा गया इस दौरान दुर्घ्यवहार और अश्लील शब्दों के इस्तेमाल का भी आरोप लगाया गया है शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इलाज कराने बिलासपुर आई थी महिला गरियाबंद निवासी नूरजहां 4 सितंबर को अपनी बहु शमा आफरीन, बेटे मोहम्मद कसीम खान और वाहन चालक चंद्रशेखर देवांगन के साथ स्कॉर्पियो से बिलासपुर आई थीं वे शहर के एक निजी अस्पताल में इलाज कराने पहुंची थीं वापस लौटते समय जय दुर्गा चौक के पास यह

घटना हुई परिवार के मुताबिक आगे चल रही महिंद्रा ईवी कार के चालक ने अचानक ब्रेक लगाया इसके चलते पीछे चल रही स्कॉर्पियो उससे टकरा गई। दोनों वाहनों में मामूली नुकसान हुआ, जबकि हदसे में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है हदसे के बाद दूसरी कार में सवार लोग स्कॉर्पियो को महिंद्रा शोरूम के सामने ले गए नूरजहां का आरोप है कि शोरूम मैनेजर ने उनकी कार की चाबी अपने पास रख ली इसके बाद परिवार के सदस्यों को कई घंटे तक शोरूम में बैठाए रखा गया परिवार ने पेशाना होकर 112 पर पुलिस को सूचना दी पुलिस मौके पर पहुंची और सभी को थाने ले गई दो धाराओं में केस दर्ज सिरगिट्टी पुलिस ने शिकायत के आधार पर शोरूम मैनेजर रहलु घोषाल के खिलाफ बीएनएस की धारा 296 और 127(2) के तहत मामला दर्ज किया है पुलिस दोनों पक्षों से पुष्टाछा कर घटनाक्रम की जांच कर रही है।

14 साल से फरार दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, मध्यप्रदेश से पकड़ा जनकपुर पुलिस की कार्रवाई नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने और दुष्कर्म का आरोप

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। जनकपुर पुलिस ने नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगाने और दुष्कर्म के मामले में करीब 14 साल से फरार चल रहे आरोपी को मध्यप्रदेश से गिरफ्तार किया है पुलिस टीम ने आरोपी वीर सिंह सिंसोदिया उर्फ वीरू को पन्ना जिले के गुनौर से पकड़ा आरोपी गुनौर क्षेत्र के देवेंद्र नगर बड़गारा का निवासी बताया गया है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से रिमांड मिलने पर उसे मनेन्द्रगढ़ उप जेल भेज दिया गया पुलिस के अनुसार, वर्ष 2012 में जनकपुर थाने में एक व्यक्ति ने अपनी नाबालिग बेटी के लातपा होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायत में अज्ञात व्यक्ति पर नाबालिग को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले जाने का आरोप लगाया गया था। पुलिस ने



मामले में धारा 363 भादवि के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की जांच के दौरान पुलिस ने नाबालिग को 27 नवंबर 2014 को बरामद कर लिया था। पुलिस के मुताबिक, नाबालिग ने अपने बयान में वीर सिंह सिंसोदिया उर्फ वीरू पर शादी का झांसा देकर उसे गुनौर ले जाने और दुष्कर्म करने का आरोप लगाया। इसके बाद मामले में धारा 366(क), 376 भादवि के साथ पॉक्सो एक्ट की



धारा 4 एवं 6 जोड़ी गई मामला दर्ज होने के बाद से आरोपी लगातार फरार चल रहा था। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए कई बार प्रयास किए, लेकिन वह पुलिस की पकड़ में नहीं आ सका लंबे समय से फरार आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई। आईजी सरगुजा रेंज दीपक झा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल



विश्वकर्मा और एसडीओपी अरविंद खलखो के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी विजय सिंह के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम ने पन्ना जिले के गुनौर पहुंचकर आरोपी की तलाश की और उसे गिरफ्तार कर लिया पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया न्यायालय से रिमांड मिलने पर उसे मनेन्द्रगढ़ उप जेल भेज दिया गया।

तेज बहाव में बहा 21 वर्षीय युवक, दो दिन बाद मिला शव रपटा पार करते समय हुआ हादसा

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। सिरसौद थाना क्षेत्र के सिकराउडा गांव में शुक्रवार को नदी के तेज बहाव में बहे 21 वर्षीय युवक का शव दो दिन बाद रविवार सुबह बरामद किया गया। मृतक की पहचान राम पुत्र गुजु रावत के रूप में हुई है वह शुक्रवार को गांव में रपटा पार करते समय अचानक नदी के तेज बहाव की चपेट में आ गया था घटना के बाद पुलिस और एसडीआईआरएफ की टीम ने सर्वे ऑपरेशन शुरू किया था जानकारी के अनुसार राम शुक्रवार दोपहर सिकराउडा गांव में रपटा पार कर रहा था। इसी दौरान नदी में पानी का बहाव तेज होने के कारण उसका संतुलन बिगड़ गया और वह पानी में बह गया आसपास मौजूद लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी इसके बाद पुलिस और

एसडीईआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और नदी में युवक की तलाश शुरू की एसडीईआरएफ की टीम ने शनिवार सुबह से देर शाम तक नदी में युवक की तलाश की। नदी का बहाव तेज होने के कारण रेस्क्यू टीम को भी काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा लगातार तलाश के बावजूद शनिवार तक युवक का कोई सुराग नहीं मिल सका घटना की जानकारी मिलने के बाद पोहोरी विधायक कैलाश कुशवाह भी मौके पर पहुंचे और रात में अंशु राम शुक्रवार अभियान की जानकारी ली रविवार सुबह नदी का जलस्तर कुछ कम हुआ इसी दौरान ग्रामीणों को घटनास्थल से करीब छेड़ किलोमीटर दूर गहलोनी के पास नदी किनारे एक शव दिखाई दिया ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी।

पत्नी ने शराब के पैसे नहीं दिए तो 125 फीट ऊंचे टावर पर चढ़ा पति बेमेतरा के बदनारा गांव में करीब 3 घंटे चला ड्रामा, पुलिस की समझाइश के बाद सुरक्षित नीचे उतरा

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के नांदघाट थाना क्षेत्र के बदनारा गांव में शनिवार शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब एक युवक करीब 125 फीट ऊंचे बीएसएनएल टावर पर चढ़ गया बताया जा रहा है कि युवक ने पत्नी से शराब पीने के लिए पैसे मांगे थे, लेकिन पत्नी ने पैसे देने से इनकार कर दिया इससे नाराज होकर वह घर से निकल गया और गांव में लगे टावर पर चढ़ गया करीब तीन घंटे तक रहने के बाद पुलिस को इसकी जानकारी मिली पुलिस की समझाइश से युवक सुरक्षित नीचे उतर आया जानकारी के अनुसार बदनारा निवासी सुरेश जोशी खेती-किसानी करता है। शनिवार शाम उसने पत्नी से शराब पीने के लिए पैसे मांगे। पत्नी के इनकार करने पर वह



नाराज हो गया और शाम करीब 7 बजे गांव में स्थित बीएसएनएल टावर पर चढ़ गया कुछ ही देर में ग्रामीणों को इसकी जानकारी हुई तो बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए ग्रामीणों ने युवक को नीचे उतरने के लिए समझाया, लेकिन वह काफी देर तक टावर पर ही बैठा रहा सूचना मिलने पर नांदघाट पुलिस भी मौके पर पहुंची और युवक से

बातचीत शुरू की पुलिस और ग्रामीणों ने करीब तीन घंटे तक उसे समझाया इसके बाद युवक नीचे आने के लिए तैयार हुआ और उसे सुरक्षित नीचे उतार लिया गया नांदघाट थाना प्रभारी लेखराम ठाकुर के मुताबिक युवक शाम करीब 7 से 8 बजे के बीच टावर पर चढ़ा था। काफी देर तक समझाइश के बाद उसे सुरक्षित नीचे उतार लिया गया

महंगाई के विरोध में कांग्रेस का ‘चीनी सत्याग्रह’, राहगीरों को बांटी एक-एक चम्मच चीनी

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। बड़ौता महंगाई और चीनी की कीमतों में वृद्धि के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रविवार को एमसीबी जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ में चीनी सत्याग्रह किया राहगीरों को प्रतीकात्मक रूप से एक-एक चम्मच चीनी वितरित की कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि खर्चों को संतुलित करने में बड़ौतरी का सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ रहा है कांग्रेस पदाधिकारियों ने सरकार से महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने और आम जनता को राहत देने की मांग की कार्यकर्ताओं



दबाव बढ़ रहा है रसोई का बजट प्रभावित होने से लोगों को घरेलू खर्चों को संतुलित करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। **महंगाई पर नियंत्रण की मांग:** प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार पर महंगाई को नियंत्रित करने में नाकाम रहने का आरोप

लगाया उन्होंने कहा कि जरूरी खाद्य सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतों में बड़ौतरी का सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ रहा है कांग्रेस पदाधिकारियों ने सरकार से महंगाई पर प्रभावी नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने और आम जनता को राहत देने की मांग की कार्यकर्ताओं



ने कहा कि चीनी सत्याग्रह के माध्यम से महंगाई के मुद्दे को प्रतीकात्मक तरीके से जनता के सामने रखा गया है। एक चम्मच चीनी का वितरण यह संदेश देने का प्रयास था कि बढ़ती कीमतों के कारण सामान्य परिवारों के लिए रोजमर्रा की जरूरतों का खर्च लगातार चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है।

जनहित के मुद्दों पर अंदोलन जारी रखने का ऐलान: कांग्रेस नेताओं ने कहा कि महंगाई केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं, बल्कि सीधे तौर पर आम लोगों के जीवन और घरेलू अर्थव्यवस्था से जुड़ा विषय है। सरकार को जनता की पेशानियों को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर नियंत्रण के

लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए उन्होंने कहा कि जब तक आम लोगों को महंगाई से राहत नहीं मिलती तब तक कांग्रेस जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर अपनी आवाज बुलंद करती रहेगी राजीव गांधी चौक पर हुए प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर महंगाई कम करने की मांग दोहराई।

12 सितम्बर को सभी राजस्व न्यायालयों में लगेगी लोक अदालत, विद्युत बकाया के 101 प्रकरणों का होगा निराकरण



मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। लंबित प्रकरणों के त्वरित एवं सुलहपूर्ण निराकरण के लिए आगामी 12 सितम्बर को सभी राजस्व न्यायालयों में लोक अदालत आयोजित की जाएगी। इस संबंध में आज मनेन्द्रगढ़ में आयोजित बैठक में आवश्यक निर्णय लिया गया। लोक अदालत के माध्यम से विभिन्न लंबित प्रकरणों के निराकरण के साथ विद्युत बकाया से जुड़े मामलों में भी संबंधित उपभोक्ताओं को समझौते एवं राजीनामे के आधार पर प्रकरण समाप्त करने का अवसर मिलेगा छत्तीसगढ़ स्टेट पाँवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के

मनेन्द्रगढ़ संभाग द्वारा विद्युत बकाया राशि की वसूली एवं लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से कुल 101 विद्युत बकाया प्रकरण लोक अदालत में प्रस्तुत किए जा रहे हैं इन प्रकरणों में लगभग 29.07 लाख रुपये की बकाया राशि शामिल है मनेन्द्रगढ़ संभाग के अंतर्गत केल्लहारी वितरण केन्द्र के 35 सिंक्रिय विद्युत उपभोक्ताओं पर लगभग 10.50 लाख रुपये

संबंधित उपभोक्ताओं को बकाया विद्युत देयकों के भुगतान के लिए राजीनामा एवं समझौते का अवसर उपलब्ध कराया जाएगा। पात्र मामलों में बकाया राशि का किस्तों में भुगतान किए जाने की व्यवस्था के माध्यम से उपभोक्ताओं को अपनी सुविधा के अनुसार लंबित राशि जमा करने का अवसर मिलेगा। इससे लंबे समय से लंबित विद्युत बकाया प्रकरणों का सुलह पूर्ण



निराकरण सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी बैठक में अधिकारियों ने लोक अदालत के आयोजन को प्रभावी बनाने तथा अधिक से अधिक लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। संबंधित विभागों को प्रकरणों की जानकारी एवं आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित रहने तथा पक्षकारों को लोक अदालत

के माध्यम से प्रकरणों के निराकरण के लिए प्रेरित करने पर जोर दिया गया विद्युत वितरण कंपनी ने संबंधित बकायादार उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे 12 सितम्बर को आयोजित लोक अदालत में उपस्थित होकर अपने बकाया विद्युत प्रकरणों का निराकरण कराएं और उपलब्ध समझौता अवसर का लाभ उठाएं बैठक में इंदिरा मिश्रा, अनुविभागीय

चार दिन में 6.65 इंच बारिश, मड़ीखेड़ा डैम 92' भरा लगातार बारिश से बढ़ी पानी की आवक चार गेट खोलकर करीब 950 क्यूमेक्स पानी की निकासी जारी

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले में पिछले चार दिनों से लगातार बारिश का दौर जारी है। इसके चलते जलस्रोतों का जलस्तर तेजी से बढ़ा है 3 सितंबर को जिले की औसत बारिश 701.52 मिमी थी जो 6 सितंबर तक बढ़कर 870.53 मिमी पहुंच गई इस तरह चार दिनों में जिले में औसतन 169.01 मिमी पानी करीब 6.65 इंच बारिश दर्ज की गई है भू-अभिलेख विभाग के अनुसार शिवपुरी जिले की सामान्य वार्षिक औसत वर्षा 816.3 मिमी है इस सीजन में अब तक 870.53 मिमी बारिश हो चुकी है जो सामान्य औसत से 54.23 मिमी अधिक है तहसीलवार आंकड़ों में बदरवास में सबसे अधिक 951.50 मिमी और पिछोर में 934 मिमी बारिश दर्ज हुई है शिवपुरी में 899.80, बैराड़ में 878, पोहरी में 859, नरवर में 881, करैरा में 895.10, कोलारस में 747.90 और खनियाधाना में 788.50 मिमी बारिश दर्ज की गई है लगातार बारिश और ऊपरी क्षेत्रों से पानी की आवक बढ़ने के कारण सिंध परियोजना का अटल सागर मड़ीखेड़ा डैम तेजी से भर रहा है रविवार सुबह 8 बजे डैम का जलस्तर 345.30 मीटर दर्ज किया गया



जबकि इसका पूर्ण भराव स्तर 346.25 मीटर है डैम में 769.19 एमसीएम पानी उपलब्ध है जो इसकी कुल क्षमता का 92.14 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में डैम में औसतन 1149.94 क्यूमेक्स पानी की आवक दर्ज की गई बढ़ती आवक को देखते हुए डैम के चार गेट खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है। सुबह 7:30 बजे गेट नंबर 5 और 6 को एक-एक मीटर तथा गेट नंबर 4 और 7 को 0.5–0.5 मीटर खोला गया था इसके अलावा पावर हाउस से 135.42 क्यूमेक्स और उकायला की ओर 5 क्यूमेक्स पानी छोड़ा जा रहा था। सुबह 8 बजे डैम से

कुल आउटफ्लो करीब 950.06 क्यूमेक्स दर्ज किया गया 6 सितंबर 2025 को मड़ीखेड़ा डैम का जलस्तर 345.90 मीटर और जलभराव 97.09 प्रतिशत था उस समय डैम में 810.56 एमसीएम पानी था इस साल इसी अवधि में करीब 41.37 एमसीएम कम पानी है जिले में भी पिछले साल 6 सितंबर तक 1371.52 मिमी औसत बारिश दर्ज हुई थी लगातार बारिश और करीब 1150 क्यूमेक्स पानी की आवक को देखते हुए सिंध परियोजना क्षेत्र में डैम के जलस्तर और पानी की आवक पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।

30 सेकंड में स्पोर्ट्स बाइक चोरी CCTV में कैद हुई वारदात

मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम (निप्र)। शहर के जुमेराती रजा मोहल्ला क्षेत्र में घर के बाहर खड़ी स्पोर्ट्स बाइक चोरी होने का मामला सामने आया है चोर ने महज करीब 30 सेकंड में बाइक का लॉक खोलकर उसे चोरी कर लिया पूरी वारदात पास में लगे CCTV कैमरे में कैद हो गई रविवार सुबह बाइक चोरी होने का पता चलने के बाद वाहन मालिक ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश कर रही है CCTV फुटेज के मुताबिक, रात करीब 1:43 बजे एक युवक फेदल सराफ चौक की ओर से आता दिखाई देता है वह रजा मोहल्ला पहुंचकर जेब से चाबी निकलता है और कुछ ही सेकंड में बाइक का लॉक खोल देता है इसके बाद वह बाइक को कुछ दूरी तक धकेलता है और फिर उसे स्टार्ट कर

मौके से निकल जाता है फुटेज में आरोपी सराफ चौक से सेंट्रल बैंक के पास पहुंचता और वहां से गलियों के रास्ते बोहय मस्जिद होते हुए रजा मोहल्ला की ओर आता दिखाई दे रहा है बाइक चोरी करने के बाद वह मेन बोर्ड स्कूल की तरफ निकल गया स्थानीय लोगों के अनुसार रजा मोहल्ला क्षेत्र में पिछले छह महीने में बाइक चोरी की यह तीसरी घटना है लगातार हो रही चोरी की वारदातों से रहवासियों में नाराजगी है और क्षेत्र में पुलिस गस्त बढ़ाने की मांग की जा रही है बाइक मालिक अधिवक्ता प्रखर रावत ने बताया कि उन्होंने रात में बाइक घर के सामने खड़ी की थी सुबह उठने पर बाइक गायब मिली इसके बाद CCTV फुटेज देखने पर चोरी की जानकारी हुई दोपहर में कोतवाली थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

संक्षिप्त समाचार

छतरपुर में सबमर्सिबल पंप चलाते समय युवक को लगा करंट



मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर के मुडैरी गांव में रविवार सुबह सबमर्सिबल पंप चलाते समय 30 वर्षीय युवक को करंट लग गया। हादसे में महेन्द्र साहू पिता कल्लू साहू की मौत हो गई। परिजन उसे तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

पानी भरने के लिए पंप चला रहे थे: मृतक के साले जगदीश साहू ने बताया कि महेंद्र सुबह नहाने के बाद घर में पानी लेने के लिए सबमर्सिबल पंप चला रहे थे। इसी दौरान अचानक उन्हें करंट लग गया। हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी।

चिप्स बेचकर परिवार का करते थे गुजारा: परिजनों के अनुसार, महेंद्र घर पर चिप्स बनाते थे और गांव-गांव फेरी लगाकर बेचते थे। इसी काम से होने वाली कमाई से वे परिवार का भरण-पोषण करते थे। घटना के बाद परिवार में मातम है।

सीहोर में 24 घंटे में 1 इंच बारिश :जिले में सीजन में 31.40 इंच वर्षा दर्ज

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में मानसून लगातार सक्रिय बना हुआ है। इससे नदी-नाले और जलस्रोत लबालब हो गए हैं। रविवार को जिले में औसत एक इंच बारिश दर्ज की गई। सबसे ज्यादा बारिश सीहोर वर्षामापी केंद्र पर हुई, जहां 2.08 इंच पानी बरसा। इसके अलावा श्यामपुर में 1.37 इंच, इछावर में 1.02 इंच, बुधनी और जावर में 0.98-0.98 इंच, रेहटी में 0.76 इंच, आष्ट्य में 0.55 इंच और भैरूदा में 0.27 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई।

अगले 48 घंटों में भारी बारिश हो सकती है: मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश और उससे लगे इलाकों के ऊपर एक लोप्रेशर एरिया और मानसूनी ट्रफ लाइन सक्रिय है। इसी मौसमी सिस्टम के कारण जिले में नमी आ रही है और तेज बारिश का दौर जारी है।

बनते ही धंसने लगा नया फोरलेनः उधड़ी सड़क पर टोल का बोझ

सागर,एजेसी। भोपाल से कानपुर को जोड़ने वाले 4290 करोड़ के अनुसूचित, उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश और उससे लगे इलाकों के ऊपर एक लोप्रेशर एरिया और मानसूनी ट्रफ लाइन सक्रिय है। इसी मौसमी सिस्टम के कारण जिले में नमी आ रही है और तेज बारिश का दौर जारी है।

तीन महीने में तीन बड़े मामले: जूनः सरावन और इमलीखेड़ा के बीच भारी साइड बोर्ड गिरने से दो घंटे यातायात ठप रहा। जुलाईः बीला गांव के पास सड़क का करीब 50 फीट लंबा हिस्सा बारिश में धंस गया। सितंबरः पटानवली घाटी में नवनिर्मित ओवरब्रिज की रिटेनिंग वॉल बही।

मंदसौर में तेज बारिश, गरोठ में 73.2 मिमी पानी बरसा

● सीजनमें अब तक 24.70 इंच पानी गिरा, पिछले साल से 7.26 इंच कम

मीडिया ऑडीटर,मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले में गुरुवार दोपहर से शुरू हुआ बारिश का दौर शुक्रवार और शनिवार को भी जारी रहा। जिला मुख्यालय समेत ज्यादातर इलाकों में कहीं तेज तो कहीं रुक-रुककर बारिश हुई। बारिश के कारण तापमान में गिरावट आई और लोगों को गर्मी से राहत मिली।

शनिवार को जिले के 11 वर्षामापी केंद्रों पर कुल 303 मिमी बारिश दर्ज की गई, जबकि जिले की औसत बारिश 27.5 मिमी यानी 1.08 इंच रही। गरोठ में सबसे ज्यादा 73.2 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई।

गरोठ में सबसे ज्यादा 73.2 मिमी बारिश: शनिवार को गरोठ में 73.2 मिमी, शामागढ़ में 58.4 मिमी, भानपुरा में 44.2 मिमी और सुवासरा में 34.6 मिमी बारिश दर्ज की गई।



सीतामऊ में 19.6 मिमी, संजीत और धुंधड़का में 18-18 मिमी, मंदसौर में 14 मिमी, मल्हारगढ़ और कयामपुर में 10-10 मिमी और भावगढ़ में 3 मिमी बारिश हुई।

सीजन में अब तक 627.4 मिमी औसत बारिश: 1 जून से 5 सितंबर तक जिले में कुल 6902 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है। जिले की औसत बारिश 627.4 मिमी यानी 24.70 इंच है। पिछले साल इसी अवधि में औसत बारिश 811.7 मिमी यानी 31.96 इंच हो चुकी थी। इस साल अब तक पिछले साल की तुलना में 184.3 मिमी यानी करीब 7.26 इंच कम बारिश हुई है।

बारिश का आंकड़ा पिछले साल के मुकाबले करीब 23 प्रतिशत कम है। सीजन में अब तक धुंधड़का में सबसे ज्यादा 756 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है। इसके बाद गरोठ में 723.2 मिमी, भानपुरा में 695.6 मिमी, शामागढ़ में 673.2 मिमी और सुवासरा में 642.9 मिमी बारिश हुई है।

सागर में फर्जी नायब तहसीलदार गिरफ्तार

आई-कार्ड-सील और कूटरचित दस्तावेज बरामद, साथी की तलाश

मीडिया ऑडीटर,सागर (निप्र)। सागर सिविल लाइन पुलिस ने फर्जी नायब तहसीलदार बनकर लोगों को झांसा देने वाले आरोपी शिवम चतुर्वेदी निवासी गढ़ाकोटा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से सीहोरा, जिला जबलपुर के अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं दंडाधिकारी कार्यालय का नायब तहसीलदार पद का फर्जी आई-कार्ड, सील और कूटरचित दस्तावेज बरामद किए हैं। पुलिस आरोपी के फरार साथी अमित की तलाश कर रही है।

बस में हुई मुलाकात, खुद को बताया नायब तहसीलदार: एफआईआर के अनुसार, आरोपी शिवम की मुलाकात प्रबल सिंह ठाकुर निवासी तिली के पिता से भोपाल से सागर आते समय बस में हुई थी। शिवम ने अपना नाम शिवम तिवारी बताया और कहा कि उसने इनकम टैक्स ऑफिसर की नौकरी छोड़कर सीहोरा में नायब तहसीलदार की नौकरी जॉइन की है। इसके बाद उसने शासकीय काम के लिए गाड़ी की जरूरत बताकर फरियादी को झांसे में लिया।

5 साल के लिए 1.05 लाख रुपए महीने में ली बोलेरो: आरोपी की बातों में आकर फरियादी ने 17



अगस्त 2026 को नई बोलेरो खरीदी। गाड़ी नंबर रू 15 र 9934 को पांच साल के लिए हर महीने 1.05 लाख रुपए देने के फर्जी एग्रीमेंट पर आरोपी को सौंप दिया गया। आरोपी बोलेरो पर हूटर और नायब तहसीलदार की नेमप्लेट लगाकर घूम रहा था। बाद में फरियादी को उसके बयानों पर संदेह हुआ। 4 सितंबर को उसने आरोपी से वरिष्ठ अधिकारियों से बात कराने और मूल दस्तावेज दिखाने को कहा।

फर्जी आई-कार्ड सामने आया तो गाड़ी छोड़कर भागा: आरोपी अपने साथी अमित के साथ पहुंचा।

कड़ाई से पूछताछ करने पर जब उससे दस्तावेज मांगे गए तो फर्जी आई-कार्ड सामने आ गया। इसके बाद आरोपी फोने पर बात करने का बहाना बनाकर मौके से भाग निकला और बोलेरो वहीं छोड़ गया। शिकायत के बाद सिविल लाइन पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस उसके साथी अमित की तलाश कर रही है। मामले का जल्द खुलासा किए जाने की बात कही गई है।

पहले भी ठगी के मामले में पकड़ा जा चुका है आरोपी: पुलिस के अनुसार, आरोपी शिवम पहले भी इसी तरह की वारदातों में पकड़ा जा चुका है। करीब एक साल पहले ग्वालियर क्राइम ब्रांच ने सागर के चार युवकों के एक गिरोह को पकड़ा था।

गिरोह हाईवे पर खुद को पुलिसकर्मी बताकर अवैध वसूली करता था और बरेजगार युवाओं को पुलिस में भर्ती करने का झांसा देकर ठगी करता था। पुलिस के मुताबिक, उस गिरोह का सरना भी गढ़ाकोटा का शिवम चतुर्वेदी ही था। जेल से बाहर आने के बाद उसने ठगी के लिए नया तरीका अपनाया।

250 प्लॉटों में बारिश का पानी जमा, निकासी की व्यवस्था नहीं

रायसेन,एजेसी। शहर में बारिश के बाद खाली पड़े प्लॉट आसपास रहने वाले परिवारों के लिए मुसीबत बन गए हैं। लोगों ने प्लॉट खरीदे। वर्षों से भवन निर्माण नहीं कराया। नतीजा यह है कि शहर के 250 से अधिक खाली प्लॉटों में बारिश का पानी जमा है। कई जगह पानी इतना भर गया है कि खाली प्लॉट तालाब जैसे नजर आ रहे हैं। पानी निकासी की व्यवस्था नहीं है। इनमें मच्छर पनप रहे हैं। अन्य जीव-जंतु भी बढ़ रहे हैं। सबसे ज्यादा परेशानी अशोक नगर और शिवोम नगर में है। यहां खाली प्लॉटों की संख्या ज्यादा है। कई जगह महीनों से पानी जमा है। रहवासियों का कहना है कि शाम होते ही मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाता है। पानी जमा रहने से जहरीले जीव-जंतुओं के घरों तक पहुंचने का खतरा भी बना रहता है।

गुरुदेव के सान्निध्य में श्री जी इंटरनेशनल स्कूल का भव्य आयोजन

तीन हजार से अधिक लोग हुए शामिल, विद्यार्थियों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां

मीडिया ऑडीटर,ग्वालियर (निप्र)। देवधाम सिरसा, घाटीगांव स्थित श्री जी इंटरनेशनल स्कूल में परम पूज्य संत शिरोमणि श्री श्री 1008 श्री शीतलदास जी महाराज के पावन सान्निध्य एवं आशीर्वाद में भव्य आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में संत-महात्माओं, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों, शिक्षाविदों, समाजसेवियों, अधिभावकों और क्षेत्रवासियों सहित तीन हजार से अधिक लोगों ने सहभागिता की आयोजन का उद्देश्य क्षेत्र में शिक्षा और संस्कार को बढ़ावा देने के साथ विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच उपलब्ध करना रहा। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और अनुशासन का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों को उपस्थित अतिथियों और दर्शकों ने खुब सराहा।

संतों के आशीर्वाचन से आयोजन



को मिली गरिमा: कार्यक्रम में संत शिरोमणि श्री श्री 1008 श्री शांतिदास जी महाराज तथा संत शिरोमणि श्री श्री 1008 श्री दीनबंधुदास जी महाराज, कन्ह सरकार सहित अनेक संत-महात्माओं की उपस्थिति रही। संतों के आशीर्वाचन से कार्यक्रम को आध्यात्मिक एवं गरिमामय स्वरूप मिला इस अवसर पर पूर्व सांसद

विवेक नारायण शेजवलकर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्वालियर सुमन गुर्जर, थाना प्रभारी मुगुर अनीता गुर्जर, जिला पंचायत उपाध्यक्ष सत्येंद्र सिंह धौया सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

डायरेक्टर बहादुर सर का पनाया जन्मदिन: कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के

डायरेक्टर बहादुर सर का जन्मदिन भी संत-महात्माओं, अतिथियों, विद्यार्थियों एवं क्षेत्रवासियों की मौजूदगी में मनाया गया। उन्होंने सभी अतिथियों और क्षेत्रवासियों का आभार जताते हुए कहा कि गुरुदेव का आशीर्वाद और क्षेत्रवासियों का विश्वास उन्हें शिक्षा एवं संस्कार के क्षेत्र में निरंतर कार्य करने को प्रेरणा देता है आयोजन को सफल बनाने में प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाओं, कर्मचारियों, आयोजन समिति और स्वयंसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियां तैयार कराने में शिक्षकों के परिश्रम की भी अतिथियों ने सराहना की। व्यवस्थाओं में सहयोग देने वाले पूर्व थाना प्रभारी रतिराम गुर्जर, पूर्व शिक्षक निहाल सिंह धौया, रामचंद्र ठेकेदार एवं शिक्षक फतेह सिंह गुर्जर का विद्यालय परिवार ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन संत-महात्माओं के आशीर्वाद और आगंतुकों के प्रति धन्यवाद के साथ हुआ।

पिपरिया में सूने मकान से डेढ़ लाख के जेवर चोरी

चोर 40 हजार नकदी भी ले गए, अलमारी के तोड़े लॉकर

मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)। पिपरिया के इतवारा बाजार स्थित जयप्रकाश वार्ड में एक सूने मकान में चोरी हो गई। अज्ञात चोर ताला तोड़ घर से जेवर और नकदी लेकर फरार हो गए। मकान मालिक शनिवार शाम घर लौटे तब पुलिस को इसकी सूचना दी है। मकान मालिक मनीष कुमार ने डायल-112 पर चोरी की सूचना दी।

उन्होंने बताया कि वे परिवार के साथ घर में ताला लगाकर बाहर गए हुए थे। शनिवार शाम करीब 5 बजे जब वे घर लौटे, तो उन्हें चोरी का पता चला। घर के ताले टूटे हुए थे और सारा सामान बिखरा पड़ा था।

मनीष कुमार के अनुसार, चोर करीब डेढ़ लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवर और 40 हजार रुपये नकद ले गए हैं। चोरों ने पूरे घर की तलाशी ली और गोदरेज भी खोल दिया था। मनीष ने यह भी बताया कि उनके बाजू से उनके भाई का घर भी मंगलवार से बंद है।

उन्के लौटने पर ही पता चलंगा कि उनके घर में चोरी हुई है या नहीं। सूचना मिलते ही डायल-



112 और स्टेशन रोड थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। चोरी से जुड़े सबूत भी जुटाए जा रहे हैं। स्टेशन रोड थाना प्रभारी मदन पवार ने बताया कि फरियादी ने आवेदन दिया है। वे आज घटनास्थल का दौरा कर फरियादी के बयान दर्ज करेंगे। पुलिस टीम आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगालेगी और चोरों को पकड़ने के प्रयास तेज करेंगी।

रतलाम में आग से झुलसी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की मौत

पांच दिन पहले 16 साल की बेटी ने तोड़ा दम, ई-स्कूटी में विस्फोट से घर में लगी थी आग

मीडिया ऑडीटर,रतलाम (निप्र)। रतलाम की विंध्यावासिनी कॉलोनी में 19 अगस्त की रात एक घर के अंदर रखी ई-स्कूटी में विस्फोट से लगी आग में 16 साल की बेटी की मौत के पांच दिन बाद शनिवार को मां ने भी दम तोड़ दिया। मां का भी इंदौर में उपचार चल रहा था। आग से घर का सारा सामान जल कर राख हो गया था। उसी में मां व बेटी झुलसे थे।

आंखें खुली तो चारों तरफ आग फैली थी: विंध्यावासिनी कॉलोनी में रहने वाली आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बिंदुकुंवर (36), उनकी छोटी बेटी अंतिम (16) और बड़ी बेटी विजय लक्ष्मी कमरे में सो रही थीं। अचानक धुएं और घबराहट के कारण जब उनकी आंखें खुली तो चारों तरफ आग फैली थी। शोर मचाने पर पड़ोसियों ने प्रयावकत के बाद मां और दोनों बेटियों को घर से बाहर निकाला।



हादसे में बड़ी बेटी विजय लक्ष्मी बाल-बाल बच गई थी, जबकि मां बिंदुकुंवर व छोटी बेटी अंतिम झुलस गई थीं। जिन्हें रतलाम मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया था। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को इंदौर के एमबाय हॉस्पिटल में रेफर किया था।

पांच दिन पहले बिगड़ी तबीयत: सोमवार रात मां व बेटी की तबीयत खराब होने पर इंदौर के एमबाय हॉस्पिटल से प्राइवेट हॉस्पिटल में एडमिट कराया था।

● मां करती थी देखभाल

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बिंदु कुंवर घर में अपनी दोनों बेटों के साथ रहती थीं। पति का काफी समय पहले तलाक हो चुका है। मां ही दोनों बेटियों की देखभाल करती थीं। मृतिका की मां रावटी के पास तंबोलिया गांव में शुरू से अपने मामा के यहां रही थीं। इस कारण बेटी के शव को तंबोलिया गांव ले जाकर अंतिम संस्कार किया था। शनिवार शाम 4 बजे इंदौर में मां की मौत हो गई। परिजन मां का शव लेकर तंबोलिया गांव जाएंगे। रविवार को अंतिम संस्कार होगा।

● स्कूटी समेत पूरी सामान जला था

घर में लगी आग इतनी विकराल थी कि घर के पूरे सामान को चपेट में ले लिया था। यहां तक स्कूटी भी पूरी तरह से जलकर खाक हो गई थी। घर में लगे पंखे, कुलर, पौबीसी की छत पूरी तरह से पिघल गई थी। जिस कमरे में आग लगी थी वहां पर ई-स्कूटी रखी थी। जिसे हादसे के 10 दिन पहले 85 हजार रुपए में खरीदना परिजनों ने बताया था। परिजनों का उस समय कहना था कि ई-स्कूटी चार्जिंग में नहीं लगी थी। लेकिन सुबह 4 बजे स्कूटी की बैटरी में विस्फोट हुआ था।

जहां अगले दिन सुबह बेटी की मौत हो गई थी। जबकि मां आईसीयू में एडमिट थी। मां को बेटी की मौत की जानकारी नहीं दी गई थी।

आयरलैंड की स्टार ऑलराउंडर ने इंटरनेशनल क्रिकेट से लीया संन्यास



नई दिल्ली, एजेसी। आयरलैंड महिला क्रिकेट टीम की ऑलराउंडर अलीन केली ने प्रोफेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। इंग्लैंड महिला टीम के खिलाफ वॉसेस्टर में मुकाबले के बाद उन्होंने अपने करीब साढ़े चार साल लंबे इंटरनेशनल करियर को अलविदा कह दिया। 32 वर्षीय केली मूल रूप से न्यूजीलैंड की रहने वाली हैं और 2022 में आयरिश पासपोर्ट हासिल करने के बाद आयरलैंड आई थीं।

● घरेलू क्रिकेट से इंटरनेशनल टीम तक का सफर-अलीन केली शुरुआत में घरेलू क्रिकेट का अनुभव लेने के लिए आयरलैंड पहुंची थीं। हालांकि, उनके प्रदर्शन ने जल्द ही उन्हें इंटरनेशनल क्रिकेट के दरवाजे तक पहुंचा दिया। केली ने घरेलू क्रिकेट में अपने शुरुआती दौर में ही शानदार प्रदर्शन करते हुए 60 रन बनाए और 3/35 विकेट लिए, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इसके कुछ ही सप्ताह बाद उन्हें आयरलैंड की टीम में जगह मिल गई।

● डेब्यू मैच में ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ किया धमाका-केली ने 3 जून 2022 को पेम्ब्रोक् क्रिकेट क्लब में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आयरलैंड के लिए इंटरनेशनल डेब्यू किया। अपने पहले ही मुकाबले में उन्होंने 2/25 का शानदार प्रदर्शन किया। इस मैच में आयरलैंड ने उस समय की वर्ल्ड कप रनर-अप दक्षिण अफ्रीका को 10 रन से हराकर बड़ा उलटफेर किया था। इसके बाद केली आयरलैंड की टीम का लगातार अहम हिस्सा बन गईं।

● 117 में से 110 मैचों में किया आयरलैंड का प्रतिनिधित्व इंटरनेशनल क्रिकेट में कदम रखने के बाद केली ने अपनी निरंतरता और भरोसेमंद प्रदर्शन से टीम में खास जगह बनाई। उन्होंने डेब्यू के बाद से आयरलैंड महिला टीम के 117 में से 110 मुकाबलों में हिस्सा लिया। मीडियम पेस रिविंग गेंदबाज के तौर पर अपनी सटीक लाइन-लेंथ और निरंतरता के लिए पहचानी जाने वाली केली आयरलैंड की सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में शामिल रही।

● आयरलैंड की तीसरी सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज अलीन केली अपने इंटरनेशनल करियर का अंत आयरलैंड की तीसरी सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज के रूप में कर रही हैं। उनसे आगे इस सूची में इसोबेल जॉन्स और लॉरा डेलानी हैं। उनका करियर का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 5/12 रहा, जो उन्होंने 2023 में नीदरलैंड्स के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में हासिल किया था।

भारतीय महिला टीम ने मलेशिया को 11-1 से रौंदा, लगातार दूसरी जीत के साथ टॉप पर पहुंची



मोकी, चीन, एजेसी। भारतीय महिला हॉकी टीम ने AHF Junior Asia Cup 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा है। गत चैंपियन भारत ने रविवार को एलीट पूल के मुकाबले में मलेशिया को 11-1 से करारी शिकस्त दी। दक्षिण कोरिया के खिलाफ 4-1 की जीत के बाद यह भारत की लगातार दूसरी जीत है। इस जीत के साथ भारत ने 6 अंक हासिल कर अंक तालिका में शीर्ष स्थान मजबूत कर लिया।

● भारत ने पहले ही मिनट से बनाया दबाव-भारत ने मुकाबले की शुरुआत बेहद आक्रामक अंदाज में की। पूजा साहू ने मैच के पहले ही मिनट में मिले पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर भारत का खाता खोला। इसके बाद पूर्णिमा यादव ने चौथे मिनट में गोल करते हुए भारत की बढ़त 2-0 कर दी।

● पहले क्वार्टर में भारत ने दागे बार गोल-भारतीय टीम का दबदबा यहीं नहीं रुका। आठवें मिनट में बिनिमा धन ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल दिया। इसके बाद 14वें मिनट में कृष्णा शर्मा ने गोल कर भारत को 4-0 की मजबूत बढ़त दिला दी।

● हाफटाइम तक भारत 7-0 से आगे-दूसरे क्वार्टर में भी भारत ने मलेशिया को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। पूर्णिमा यादव ने 17वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर अपना दूसरा गोल दागा। इसके बाद सुखवीर कौर ने 21वें मिनट में गोल किया, जबकि गीता यादव ने 28वें मिनट में भारत के लिए सातवां गोल किया। मध्यंतर तक भारतीय टीम 7-0 से आगे थी। तीसरे क्वार्टर में मलेशिया ने खोला खाता मलेशिया को 38वें मिनट में नूर मोहम्मद ने गोल करके कुछ राहत दी और स्कोर 7-1 किया।

तिलक वर्मा ने वैभव सूर्यवंशी को किया स्लेज



नई दिल्ली, एजेसी। साउथ जोन के खिलाफ रिविwar को दिलीप ट्रॉफी फाइनल की पहली पारी में ईस्ट जोन के ओपनर वैभव सूर्यवंशी एक और अर्धशतक बनाने के बहुत करीब पहुंच गए थे, लेकिन 44 रन पर आउट हो गए। आउट होने से पहले सूर्यवंशी और साउथ जोन के कप्तान तिलक वर्मा के बीच एक छोटी सी घटना हुई, जिसमें

तिलक ने 15 साल के बल्लेबाज को स्लेज किया। स्लेजिंग की घटना के कुछ ही देर बाद सूर्यवंशी को चामा वी मिलिंद ने आउट कर दिया। सूर्यवंशी ने पारी की शुरुआत जबरदस्त अंदाज में की और भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की भी जमकर धुनाई की। सामने आए एक वीडियो में तिलक को यह कहते हुए

सुना जा सकता है, 'क्या यार ये वाइस-कैप्टन' हालांकि, स्लेजिंग की कोशिश बहुत गंभीर नहीं लग रही थी, क्योंकि घटना के कुछ ही देर बाद दोनों को हंसते हुए देखा गया। फिर भी, इंटरनेट पर फैन्स तिलक के किशोर वैभव के खिलाफ ऐसी रणनीति अपनाने से खुश नहीं थे। जहां सूर्यवंशी अर्धशतक से चूक गए, वहीं उनके ओपनिंग पार्टनर अभिमन्यु ईश्वरन शानदार फॉर्म में दिखे और उन्होंने 86 गेंदों में 10 चौकों और एक छक्के की मदद से 72 रन बनाए। सूर्यवंशी ने भी आउट होने से पहले 5 चौके और एक छक्का लगाया। ऐसा लगा कि ईश्वरन बीच में सूर्यवंशी के स्ट्रोक प्ले से प्रभावित हुए और 72 रन पर रन आउट होने से पहले उन्होंने भी आक्रामक अंदाज अपनाया।

इससे पहले सेमीफाइनल में सूर्यवंशी ने दिलीप ट्रॉफी में अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बनकर 57 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा था। वह शतक बनाने के भी करीब पहुंच गए थे, लेकिन 81 गेंदों में 92 रन पर आउट हो गए। सेमीफाइनल की दूसरी पारी में उन्होंने 42 गेंदों में 40 रन बनाए।

रुमेश थरंगा ने जैवलिन थ्रो का खिताब जीतकर रचा इतिहास

ब्रुसेल्स, एजेसी। रुमेश थरंगा पथिरागे ने डायमंड लीग फाइनल 2026 में पुरुषों का जैवलिन थ्रो स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर एक शानदार सीजन का समापन किया और यह खिताब जीतने वाले पहले श्रीलंकाई खिलाड़ी बन गए। 23 वर्षीय खिलाड़ी ने किंग बॉडीन स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में तीसरे राउंड में 89.04 मीटर का अपना सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया और पोलैंड के डेविड वेनर से आगे रहे, जिन्होंने 87.47 मीटर का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। त्रिनिदाद और टोबैगो के पूर्व ओलंपिक चैंपियन केशोन वालकॉट ने सीजन के अपने सर्वश्रेष्ठ 83.99 मीटर के थ्रो के साथ पोलैंड के अपने सर्वश्रेष्ठ 83.99 मीटर के थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहे। रुमेश थरंगा की शुरुआत उनके ऊंचे मानकों के हिसाब से धीमी रही।



उन्होंने 80.42 मीटर से शुरुआत की और फिर दूसरे प्रयास में 79.73 मीटर का थ्रो किया।

सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। रुमेश ने उसी राउंड में 89.04 मीटर का थ्रो करके जवाब दिया और प्रतियोगिता पर अपनी पकड़

बना ली। यह थ्रो अंततः खिताब जीतने के लिए काफी साबित हुआ। श्रीलंकाई खिलाड़ी ने इसके बाद 85.96 मीटर और 85.76 मीटर के थ्रो किए, जबकि उनका अंतिम प्रयास फाउल हो गया। हालांकि, वेनर अपने तीसरे राउंड के स्कोर में सुधार नहीं कर सके, जिससे थरंगा ने 1.57 मीटर के अंतर से जीत हासिल की। रुमेश ने कहा, 'मैं सचमुच बहुत खुश हूँ। श्रीलंका जैसे छोटे देश से आकर, इस तरह की बड़ी प्रतियोगिता जीतना बहुत बड़ी बात है। सच कहूँ तो, आज मैं कोई बहुत बड़ा थ्रो नहीं कर पाया क्योंकि मौसम की स्थिति काफी मुश्किल थी - बहुत उड़ धूल... इसलिए मैं ज्यादा दूरी तक थ्रो नहीं कर सका।' पीटर्स के पांचवें प्रयास में 83.70 मीटर तक सुधार करने के बावजूद वालकॉट तीसरे स्थान पर बने रहे।

पोलैंड पर आखिरी जगह के लिए कैरिबियन के दो स्टार खिलाड़ियों के बीच केवल 29 सेंटीमीटर का फ़र्क रहा।

चीन से हारा भारत, तीनों सेट में दी कड़ी टक्कर



कि ताक् यूशू, एजेसी। जापान के किताक् यूशू में खेले जा रहे Asian Mens Volleyball Championship में भारत ने अपने अभियान की शुरुआत हार के साथ की। पूल बी के मुकाबले में तीन बार के चैंपियन चीन ने भारत को सीधे तीन सेटों में 25-21, 28-26, 27-25 से हराया। हालांकि भारत ने दूसरे और तीसरे सेट में चीन को कड़ी टक्कर दी।

पहले सेट में चीन ने बनाई बढ़त-भारत को पहले सेट में 21-25 से हार का सामना करना पड़ा। चीन ने शुरुआत से ही दबाव बनाए रखा और मामूली अंतर से पहला सेट अपने

नाम किया। इसके बाद भारतीय टीम ने शानदार वापसी की कोशिश की और अगले दोनों सेटों में मुकाबला लगभग बराबरी का रखा।

दूसरे और तीसरे सेट में रोमांचक मुकाबला-दूसरे सेट में भारत ने चीन को कड़ी चुनौती दी। मुकाबला 25 अंकों के बाद भी जारी रहा, लेकिन चीन ने दबाव में बेहतर प्रदर्शन करते हुए सेट 28-26 से जीत लिया। तीसरे सेट में भी कहानी कुछ अलग नहीं रही। भारत ने लगातार संघर्ष किया, लेकिन निर्णायक मौकों पर चीन ने धैर्य बनाए रखा और 27-25 से सेट जीतकर मुकाबला 3-0 से अपने नाम कर लिया।

सेरुंडोलो ने किया बड़ा उलटफेर, टेलर फ्रिट्स को हराकर र ओपन से किया बाहर

न्यूयॉर्क, एजेसी। अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को सेरुंडोलो ने बड़ा उलटफेर करते हुए नौवीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज को हराकर यूएस ओपन 2026 से बाहर कर दिया है। इस जीत के साथ ही सेरुंडोलो ने पहली बार यूएस ओपन के अंतिम-16 में जगह बना ली है। आर्थर ऐश स्टेडियम में शनिवार को खेले गये मुकाबले में नौवीं वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज ने यूएस ओपन में दो सेट की बढ़त गांवा दी और उन्हें तीसरे दौर में 24वीं वरीयता प्राप्त फ्रांसिस्को सेरुंडोलो से 3-6, 4-6, 6-3, 6-4, 6-4 से चौकाने वाली हार का सामना करना पड़ा। यह दूसरी बार है जब फ्रांसिस्को सेरुंडोलो अपने करियर में दो सेट से पिछड़ने के बाद कोई मैच जीतने में कामयाब रहे हैं। पांच सेटों वाला यह मुकाबला तीन घंटे 39 मिनट तक चला। अब चौथे दौर में सेरुंडोलो का सामना बेल्जियम के युवा खिलाड़ी अलेक्जेंडर ब्लॉकवस से होगा, जिन्होंने फ्रांस के फ्लेवियो कोबोली को हराया है।



भारत से करारी हार के बाद बोले टीम के मेंटर, पाकिस्तान अभी भी ट्रॉफी जीतने का प्रबल दावेदार

दुबई, एजेसी। दुबई में महिला एशिया कप के लीग-स्टेज मैच में भारत के हार्थो शर्मानाक हार के बाद पाकिस्तान टीम के मेंटर वहाब रियाज ने कहा कि उनकी टीम अभी भी ट्रॉफी जीतने की प्रबल दावेदार है। अपना 200वां ज़20दु मैच खेल रही पाकिस्तान की टीम लय हासिल करने के लिए संघर्ष करती दिखी। भारत ने स्पिन गेंदबाजी से उन पर दबाव बनाया और उन्हें ज़20दु के सबसे कम स्कोर 55 रन पर ऑलआउट कर दिया। हालांकि कप्तान फातिमा सना (3/17) ने शुरुआती तीन विकेट लेकर पाकिस्तान की ओर से संघर्ष किया, लेकिन भारत ने आसानी से 56 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। इसके साथ ही भारत ने महिला एशिया कप 2026 में अपनी जीत का सिलसिला जारी

रखा और ग्रुप ए में शीर्ष स्थान बनाए रखा। हार के बाद रियाज ने पत्रकारों से कहा, मेरा मानना है कि हमारी टीम के सभी खिलाड़ी बहुत कुशल हैं और उन्हें बस खुद पर भरोसा करने की जरूरत है। हमारा अगला मैच हांगकांग के खिलाफ है। हम वापस जाकर चर्चा करेंगे कि भारत के खिलाफ हमने क्या गलतियां कीं। हम वही गलतियां नहीं दोहराएंगे। मुझे अभी भी विश्वास है कि पाकिस्तान इस एशिया कप में ट्रॉफी जीतने के लिए सबसे अच्छी टीम है क्योंकि यहां के हालात हमारे अनुकूल हैं। पूर्व कप्तान सना मीर ने महिला एशिया कप भारत ने आसानी से 56 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। इसके साथ ही भारत ने महिला एशिया कप 2026 में अपनी जीत का सिलसिला जारी

रखा और ग्रुप ए में शीर्ष स्थान बनाए रखा। हार के बाद रियाज ने पत्रकारों से कहा, मेरा मानना है कि हमारी टीम के सभी खिलाड़ी बहुत कुशल हैं और उन्हें बस खुद पर भरोसा करने की जरूरत है। हमारा अगला मैच हांगकांग के खिलाफ है। हम वापस जाकर चर्चा करेंगे कि भारत के खिलाफ हमने क्या गलतियां कीं। हम वही गलतियां नहीं दोहराएंगे। मुझे अभी भी विश्वास है कि पाकिस्तान इस एशिया कप में ट्रॉफी जीतने के लिए सबसे अच्छी टीम है क्योंकि यहां के हालात हमारे अनुकूल हैं। पूर्व कप्तान सना मीर ने महिला एशिया कप भारत ने आसानी से 56 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। इसके साथ ही भारत ने महिला एशिया कप 2026 में अपनी जीत का सिलसिला जारी



मेस्सी की मदद से इंटर मियामी ने अटलांटा को बराबरी पर रोका



मियामी, एजेसी। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने के बाद भी अर्जेंटीना के महान खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी ने मैदान पर अपना प्रभाव छोड़ने का सिलसिला जारी रखा है। मेस्सी ने शनिवार रात इंटर मियामी के लिए दो गोल में मदद की लेकिन उनकी टीम अटलांटा यूनाइटेड के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ पर रोक दी गई। अर्जेंटीना के लिए अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा के बाद यह मेस्सी का पहला मुकाबला था। इंटर मियामी की ओर से लुइस सुआरेज और कार्लोस रोसो ने गोल किए। टीम इस्टर्न कॉन्फ्रेंस में दूसरे स्थान पर है और शीर्ष पर मौजूद नैशविले से 10 अंक पीछे है। नियमित सत्र में उसके 11 मुकाबले बाकी हैं। कार्लोस रोसो ने 32वें मिनट में मेस्सी की कॉर्नर किक पर हेडर के जरिए गोल कर इंटर मियामी को बढ़त दिलाई। इसके कुछ ही मिनट बाद मिगुएल अल्मिरो ने अटलांटा की ओर से बराबरी का गोल कर दिया। इसके बाद मेस्सी ने तेलास्को सेगोविया की ओर शानदार लॉफ़ेड पास खेला। सेगोविया ने गेंद सुआरेज की ओर बढ़ाई और उरुग्वे के स्टार ने मध्यंतर से ठीक पहले दाएं पैर से शानदार शॉट लगाकर इस सत्र का अपना 12वां गोल दाग दिया। मैच के 87वें मिनट में ब्रेल एम्बोलो ने पेनल्टी को गोल में बदलकर अटलांटा को फिर बराबरी दिला दी।

सतना जिले में अब तक 3074 प्रभावितों को 1 करोड 58 लाख 64 हजार रुपये की सहायता स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले में अतिवृष्टि और बाढ़ से प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के लिए प्रशासन द्वारा युद्धस्तर पर राहत एवं जनसुविधाओं के पुनर्बहाली कार्य किए जा रहे हैं कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस के नेतृत्व में राजस्व विभाग सहित विभिन्न विभागों की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में लगातार सर्वेक्षण और राहत कार्यों में जुटी हैं जिले में 6 सितंबर 2026 तक 3074 प्रभावित परिवार के प्रकरणों में 1 करोड़ 58 लाख 64 हजार रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत कर वितरित की जा रही है। चित्रकूट-मझगांव क्षेत्र में बाढ़ से अधिक प्रभावित परिवारों को प्राथमिकता के आधार पर सहायता उपलब्ध कराई गई है मझगांव-चित्रकूट क्षेत्र में 1514 प्रकरणों में 76 लाख 89 हजार रुपये की सहायता वितरित हुई है इनमें पानी भरने से राशन, कपड़े और बर्तन आदि की क्षति के 1486 प्रकरणों में 75 लाख 70 हजार रुपये, जबकि 28 मकानों की आंशिक क्षति के लिए 1 लाख 19 हजार रुपये की



सहायता शामिल है जिले की अन्य तहसीलों में भी प्रभावितों को आर्थिक सहायता दी गई है। रामपुर बाघेलान में 279 प्रकरणों में 18 लाख 40 हजार रुपये स्वीकृत किये गये हैं जिनमें दो जनहानि के प्रकरणों में 8 लाख रुपये की सहायता भी शामिल है। तहसील नागौद में 261 प्रकरणों में 16.35 लाख स्वीकृत किये गये हैं जिनमें 1 जनहानि के प्रकरण में 4 लाख रुपये स्वीकृत किये गये हैं। तहसील कोठी में 360 प्रकरणों में 15.30 लाख रुपये की स्वीकृत की गई है जिनमें 90 प्रकरण सामग्री क्षति के शामिल है रघुजनेगर में

164 प्रकरणों में 12.70 लाख स्वीकृत किये गये हैं जिनमें जनहानि के 2 प्रकरण में 8 लाख रुपये स्वीकृत किये गये हैं। तहसील बिरसिंहपुर में 172 प्रकरणों में 7.79 लाख, तहसील उचेहरा के 224 प्रकरणों में 7.61 लाख तथा कोटर तहसील में 72 प्रकरणों में 3.60 लाख रुपये की सहायता स्वीकृत की गई है। राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के संसोधित प्रावधानों के अनुसार अब तक खाद्य, वस्त्र, सामग्री के नष्ट होने पर 1907 प्रकरणों में 94 लाख 76 हजार, आंशिक मकान क्षति पर 1162 प्रकरण में 43 लाख 88



हजार, जनहानि के 8 प्रकरणों में 20 लाख रुपये सहित कुल 3074 प्रकरण में 1 करोड 58 लाख 64 हजार रुपये की सहायता स्वीकृत की गई है भरत घाट पर प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने किया श्रमदान चित्रकूट के भरत घाट में बाढ़ के बाद जमा सिल्ट और बालू की सफाई में जनप्रतिनिधियों और प्रशासन ने मिलकर श्रमदान किया जिला पंचायत सदस्य बरौणा संजय सिंह और उनकी टीम ने सफाई कार्य की कमान संभाली अपर कलेक्टर विकास सिंह और सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह ने भी श्रमदान

कर स्वच्छता अभियान में सहभागिता की बाढ़ प्रभावितों की मदद के लिए विभिन्न संस्थाओं और समाजसेवियों ने राहत सामग्री उपलब्ध कराई केईसी इंटरनेशनल सतना द्वारा 3000 कंबल, 200 साड़ियां, 200 बच्चों के कपड़े, 2800 पानी पाउच और 1000 पारले बिस्किट पैकेट सुनीता सिंह बख्शरपुर (महाराष्ट्र) और ममता सिंह इंदौर द्वारा 100-100 पैकेट नमकीन और एनबीडीएम नागौद पत्नीदी कंस्ट्रक्शन एंड इंफ्रस्ट्रक्चर प्रा.लि. द्वारा 450 कंबल और 280 साड़ियां दी गईं। जिला प्रशासन ने 20 बोरी चावल, 40 बोरी आटा

और 5 क्विंटल दाल उपलब्ध कराई, जबकि एमपीईबी ने तिरपाल और अंडरगारमेंट्स प्रदान किए। प्राप्त सामग्रियों में से कंबल, साड़ी सेट, अण्डर गारमेंट्स, तौलिया की किट तैयार कर प्रभावित परिवारों को वितरित किया गया। इसके साथ खाने-पानी की सामग्री भी वितरित की गई। चित्रकूट के बाढ़ प्रभावितों के लिए जिला कोषालय सतना और उद्यानिकी कार्यालय द्वारा भी खाद्य सामग्री एवं महिलाओं के कपड़े प्रदान किये गये हैं प्रतिदिन की तरह दीनदयाल शोध संस्थान, सरुहू सेवा संघ ट्रस्ट और दीनदयाल अंत्योदय रसोई द्वारा भोजन पैकेट वितरित किए जा रहे हैं संतोषी अखाड़ा और आचार्य आश्रम, मदन गोपाल दास आश्रम प्रथम मुखार बिंदु द्वारा भी प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था की जा रही है बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग का घर-घर सर्वे कार्य पूरा हो चुका है इसके अलावा 5 सितंबर को निगरानी के दौरान 9 सामान्य मरीजों को दवाइयां उपलब्ध कराई गईं।

बाढ़ प्रभावित गरुघाट पहुंचे विजय यादव, पीड़ित परिवारों को बांटे राशन और कपड़े



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। बाढ़ और अतिवृष्टि से प्रभावित परिवारों की मदद के लिए राहत एवं सेवा कार्य लगातार जारी हैं इसी क्रम में चित्रकूट विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष विजय यादव के नेतृत्व में सेवा संकरूप जिला अस्पताल सतना की टीम बाढ़ प्रभावित क्षेत्र गऊघाट पहुंची टीम ने प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर बाढ़ से उत्पन्न परिस्थितियों और उनकी समस्याओं की जानकारी ली इस दौरान टीम ने जरूरतमंद परिवारों के बीच राशन सामग्री और कपड़ों का वितरण किया अचानक आई बाढ़ के कारण प्रभावित परिवारों को दैनिक जरूरत की वस्तुओं की कमी का सामना करना पड़ रहा है ऐसे में राहत सामग्री मिलने से लोगों को तत्काल मदद मिली टीम के सदस्यों ने प्रभावित परिवारों से संवाद कर उनकी अन्य आवश्यकताओं के बारे में भी जानकारी ली विजय यादव ने कहा कि प्राकृतिक आपदा के समय प्रभावित लोगों की सहायता करना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

बाढ़ के कारण जिन परिवारों को पेंशानी का सामना करना पड़ रहा है उनके बीच पहुंचकर जरूरत के अनुसार सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है उन्होंने कहा कि राहत कार्यों का उद्देश्य प्रभावित परिवारों को इस कठिन परिस्थिति में आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराना है प्रभावित परिवारों से किया संवाद सेवा संकरूप जिला अस्पताल सतना की टीम ने गऊघाट में बाढ़ प्रभावित लोगों से सीधे मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। टीम ने राहत सामग्री वितरण के साथ यह भी जाना कि प्रभावित परिवारों को तत्काल किन वस्तुओं की सबसे अधिक आवश्यकता है बाढ़ प्रभावितों ने राहत सामग्री उपलब्ध करने के लिए टीम का आभार जताया सेवा कार्य से जुड़े लोगों ने कहा कि जरूरतमंद परिवारों तक सहायता पहुंचाने का प्रयास आगे भी जारी रखा जाएगा प्रशासन और सामाजिक संगठनों से भी बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत कार्यों को गति देने की अपील की गई।

सोते वक्त महिला को सांप ने डसा परिजन अमरपाटन से सतना ले जा रहे थे रास्त में मौत

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। जिले के अमरपाटन थाना क्षेत्र अंतर्गत अमझर गांव में शनिवार रात करीब 3 बजे सांप के डसने से 50 वर्षीय महिला श्याम कली पाव की मौत हो गई। इलाज के लिए सतना ले जाते वक्त रास्ते में महिला ने दम तोड़ दिया मृतका की बहू ललली पाव के मुताबिक, श्याम कली पाव रात में अपने घर में सो रही थीं, तभी करीब 3 बजे उन्हें जहरीले सांप ने डस लिया। तबोतार बिगड़ने पर परिजन उन्हें तुरंत अमरपाटन सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे। प्राथमिक इलाज के बाद भी हालत में सुधार न होने पर डॉक्टरों ने उन्हें सतना जिला अस्पताल रेफर कर दिया, लेकिन रास्ते में ही उनकी जान



चली गई घटना की खबर मिलते ही जिला पंचायत सदस्य तारा विजय पटेल ने अस्पताल पहुंचकर शोक व्यक्त किया अमरपाटन सिविल अस्पताल के प्रभारी डॉ. हिमांशु पांडेय और पुलिस को सूचना दी गई अमरपाटन थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा करवाई की और मार्ग दर्ज कर रिवार को शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजन को सौंप दिया है।

सुरक्षित सफ़र और ग्रीन मोबिलिटी हमारी प्राथमिकता-मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में आधुनिक परिवहन व्यवस्था के विस्तार के साथ सुरक्षित सफ़र और ग्रीन मोबिलिटी को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रायसूर पर संदेश में कहा कि मध्यप्रदेश में सुरक्षित, सुगम और पर्यावरण अनुकूल यात्री परिवहन व्यवस्था को नई दिशा देने के उद्देश्य से आगामी 11 एवं 12 सितम्बर को इंदौर में ‘यात्री परिवहन विजन समिट-2026’ का आयोजन किया जा रहा है मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश का संकल्प है कि हर यात्री को सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक परिवहन की सुविधा मिले सार्वजनिक परिवहन को आधुनिक, पर्यावरण-अनुकूल और प्रभावी बनाने में सार्वजनिक-निजी

भागीदारी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है यात्री परिवहन विजन समिट इसी दिशा में भविष्य की टेम्प रूपरेखा तैयार करेगा समिट में मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के विस्तार एवं सुदृढीकरण तथा इसमें सार्वजनिक-निजी भागीदारी की भूमिका पर विशेषज्ञों और नीति-निर्माताओं द्वारा विचार-विमर्श किया जाएगा समिट का फ़ोकस सुरक्षित परिवहन के साथ हरित परिवहन और बेहतर मोबिलिटी की दिशा में नए अवसर तलाशने पर केंद्रित रहेगा यह समिट प्रदेश की यात्री परिवहन व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित, टिकाऊ और तकनीक-सक्षम बनाने के लिए संभावित निवेश और साझेदारी के नए द्वार खोलने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

दुबई से सतना पहुंची पत्नी पति की तलाश में भटक रही, पुलिस से मांगी मदद बोली- बिना बताए भारत लौटे सुनील ठाकुर, 31 जुलाई के बाद से संपर्क नहीं जबलपुर के गुरुद्वारे में शादी का दावा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। दुबई से सतना पहुंची एक महिला अपने पति की तलाश में पुलिस से मदद मांग रही है महिला का कहना है कि उसके पति सुनील ठाकुर बिना बताए दुबई से भारत लौट आए और 31 जुलाई के बाद से उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा है महिला ने शनिवार देर शाम महिला थाने में आवेदन देकर पति को तलाशने में मदद की गुहार लगाई है महिला ने अपनी पहचान अश्विंदर कौर के रूप में बताई है उसका दावा है कि वह नवंबर 2020 से सुनील ठाकुर के साथ दुबई में लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी। इसके बाद दोनों ने 23



फरवरी 2025 को जबलपुर के सिविक सेंटर स्थित गुरुद्वारे में शादी की थी। महिला के मुताबिक, शादी के दौरान सुनील के रिश्तेदार और अन्य लोग भी मौजूद थे। उसने शादी से जुड़े फोटो और वीडियो भी पुलिस को सौंपे हैं। अश्विंदर कौर का कहना है कि उसे जानकारी मिली है कि सुनील सतना में अपनी बहन के घर आए

हुए हैं महिला के अनुसार, उसकी सास सुनीता रोरा भी सतना में मौजूद हैं। महिला का आरोप है कि उसे पति से मिलने नहीं दिया जा रहा है हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है महिला का कहना है कि वह अपने पति की तलाश में जबलपुर और सतना में कई जगह जा चुकी है उसने मध्यप्रदेश पुलिस और

चित्रकूट में बाढ़ प्रभावित बच्चों तक पहुंची राहत सामग्री, दूध-बिस्किट के पैकेट बांटे

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। बाढ़ और अतिवृष्टि से प्रभावित परिवारों की पेंशानियों के बीच जरूरतमंदों तक राहत सामग्री पहुंचाने का सिलसिला लगातार जारी है राज्यसभा संसद विवेक तेंड्रा के मार्गदर्शन में संचालित राहत एवं सेवा अभियान के तहत चित्रकूट के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर प्रभावित परिवारों की मदद की जा रही है इसी क्रम में किसान कौशल के राष्ट्रीय सचिव आशुतोष द्विवेदी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर परिवारों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं की जानकारी ली इस दौरान विशेष रूप से छोटे बच्चों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उन्हें अमूल दूध और बिस्किट के पैकेट वितरित किए गए राहत सामग्री मिलने पर बच्चों और उनके परिजनों ने सहयोग के



लिए आभार जताया। बाढ़ के चलते कई परिवारों के सामने भोजन, पेयजल और दैनिक उपयोग की आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता को लेकर कठिन परिस्थितियां बनी हुई हैं। ऐसे में राहत अभियान के माध्यम से प्रभावित लोगों तक उनकी जरूरत के अनुसार आवश्यक सामग्री पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाना प्राथमिकता:किसान कौशल के राष्ट्रीय सचिव आशुतोष द्विवेदी ने कहा कि प्राकृतिक आपदा के इस कठिन समय में प्रभावित परिवारों और मासूम बच्चों तक आवश्यक खाद्य सामग्री पहुंचाना प्राथमिकता है उन्होंने कहा कि संकट की घड़ी में जरूरतमंदों के साथ खड़

रहना और उनकी पेंशानी को समझते हुए यथासंभव सहयोग करना ही सच्ची मानव सेवा है उन्होंने कहा कि राहत कार्य केवल सामग्री वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रभावित परिवारों से संवाद कर उनकी वास्तविक जरूरतों को समझना भी अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है बच्चों की आवश्यकताओं को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में रात्रि में पहुंचे रामशंकर पयासी, ग्रामीणों की सुनी समस्याएं

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। बाढ़ की गंभीर स्थिति के बीच कांग्रेस के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रामशंकर पयासी ने रात्रि में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर ग्रामीणों से मुलाकात की। उन्होंने टिकरी, अकौना, मैनपुरा और इटौरा सहित अन्य प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर बाढ़ की स्थिति का जायजा लिया तथा प्रभावित परिवारों की समस्याओं और जरूरतों की जानकारी ली दौरे के दौरान पयासी ने ग्रामीणों से चर्चा कर उनकी पेंशानियों को जाना बाढ़ के कारण प्रभावित परिवारों के सामने भोजन, पेयजल, आवागमन और अन्य आवश्यक सुविधाओं को लेकर उत्पन्न समस्याओं पर उन्होंने चिंता जताई उन्होंने जरूरतमंद परिवारों को प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यकता के अनुसार बाढ़ प्रभावित परिवारों की समस्याओं को जानकारी मिली है कि सुनील सतना में अपनी बहन के घर आए



राहत एवं बचाव कार्य तेज करने की मांग: रामशंकर पयासी ने शासन-प्रशासन से मांग की कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाई जाए उन्होंने प्रभावित परिवारों तक आवश्यक राहत सामग्री, भोजन, स्वच्छ पेयजल और स्वास्थ्य सुविधाएं तत्काल पहुंचाने की मांग की साथ ही बाढ़ से प्रभावित परिवारों को नियमानुसार उचित सहायता और मुआवजा उपलब्ध कराने चाहिए।

की मांग भी उठाई उन्होंने कहा कि बाढ़ के कारण जिन परिवारों को नुकसान हुआ है उनकी समस्याओं का तत्काल समाधान जरूरी है प्रशासन को प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखते हुए जरूरत के अनुसार राहत सामग्री और अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने चाहिए।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं का प्रतिनिधिमंडल रहा मौजूद: दौरे के दौरान कोटर ब्लॉक

मैहर में दर्शनार्थियों से भरी कार का टायर फटा चार घायल उज्जैन से बिहार लौट रहे थे

मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)। जिले के अमरपाटन थाना क्षेत्र में नेशनल हाइवे-30 पर रिवार सुबह एक कार हादसे का शिकार हो गई। यह कार दर्शनार्थियों से भरी थी। ग्राम बारी मोड़ के पास तेज रफ़्तार कर का अचानक टायर फट गया, जिससे कार बेकाबू होकर पुल के डिवाइडर से टकरा गई इस हादसे में कार सवार चार दर्शनार्थी घायल हो गए जानकारी के मुताबिक, कार (BR2YAN8728) में सवार सभी लोग बिहार के गेहतास जिले के रहने वाले हैं। वे उज्जैन में बाबा महाकाल के दर्शन करने के बाद अपने घर लौट रहे थे। बारी मोड़ के पास अचानक कर का टायर फटा। टायर फटते ही ड्रव्हर गाड़ी पर कंट्रोल नहीं रख पाया और कर पुल के डिवाइडर से टकरा गई हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई गृहगौरों ने इसकी सूचना दी हाईवे एंबुलेंस 1033 मौके

पर पहुंची और सभी घायलों को इलाज के लिए सिविल अस्पताल अमरपाटन ले जाया गया घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है घायलों की पहचान मृत्युंजय सिंह (50), नागेंद्र सिंह (43), कृष्ण शाह, अमन गज सिंह (43), कृष्ण नंदन सिंह और बलराम सिंह के रूप में हुई है। बताया गया है कि मृत्युंजय सिंह को ज्यादा चोटें आई हैं, जबकि बाकी घायलों को भी चोटें लगी हैं। प्राथमिक इलाज के बाद दो घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें आगे के इलाज के लिए जिला अस्पताल सतना भेजा गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हादसे की जानकारी ली। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है शुद्धांती जांच में हादसे की वजह कार का टायर फटना बताया जा रहा है।

चित्रकूट में बाढ़ के बाद युद्धस्तर पर सफाई, राहत और पुनर्वास के कार्य जारी

चित्रकूट में कलेक्टर एवं एसपी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया निरीक्षण



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। चित्रकूट में मंडाकिनी नदी के जलस्तर में कमी के बाद जनजीवन को पूरी तरह सामान्य करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा राहत, स्वच्छता और जन सुविधाओं के पुनर्बहाली के कार्य लगातार जारी हैं रविवार को जिला प्रशासन की विभिन्न टीमों ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में

पहुंचकर साफ-सफाई, कीचड़ एवं खेत हटाने तथा स्वच्छता के कार्यों में श्रमदान भी किया। मंडाकिनी नदी का जलस्तर रविवार सुबह आरोपधाम के पास प्रातः 6 बजे 135.32 मीटर दर्ज किया गया, जबकि नदी का अधिकतम एचएफएल 139.60 मीटर है जलस्तर में लगातार कमी दर्ज की जा रही है प्रशासन द्वारा

लगातार जलस्तर की निगरानी की जा रही है कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस एवं पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह ने रविवार को चित्रकूट पहुंचकर मंडाकिनी नदी के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने भरत घाट, रायच प्रयाग घाट एवं नयागांव में बाढ़ से हुई नुक़सान का जायजा लिया तथा प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे राहत,

सफाई एवं पुनर्बहाली के कार्यों का अवलोकन किया। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने मौके पर मौजूद अधिकारियों से बाढ़ के बाद की स्थिति तथा प्रभावित क्षेत्रों में किए जा रहे राहत कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने भरत घाट, रायच प्रयाग घाट एवं नयागांव में सड़कों, सार्वजनिक स्थलों और अन्य प्रभावित स्थानों पर चल रहे सफाई कार्यों को देखा तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर और एसपी ने मंडाकिनी नदी के नयागांव, रायच प्रयाग घाट की ओर स्थित घरों में भी बाढ़ का पानी घुसने से हुए नुक़सान का अवलोकन किया तथा स्थानीय निवासियों से स्वरूख बातचीत कर नियमानुसार हर संभव सहायता देने की बात कही रायच प्रयाग घाट के साफ-साफ अभियान के निरीक्षण के

दौरान कलेक्टर ने नगर निगम के अधिकारियों को सोमवार से सफाई अमला बढ़ाने के निर्देश दिये उन्होंने कहा कि नगर निगम की 50-50 सफाई कर्मियों की दो टीमों घाटों में संलग्न की जाये जिनमें एक टीम भरत घाट की ओर तथा दूसरी टीम रायच प्रयाग घाट की ओर नदी के घाट की सफाई करेंगी इस दौरान अपर कलेक्टर विकास सिंह, सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह तथा एसडीएम महिपाल सिंह गुर्जर सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे बाढ़ प्रभावित चित्रकूट के नदी घाटों एवं बस्तियों को शीघ्र स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य तथा साफ-सफाई कार्य को और गति देने के लिए जिला कलेक्ट्रेट सतना के अधिकारी-कर्मचारियों ने रविवार को चित्रकूट पहुंचकर श्रमदान में

हिस्सा लिया। इनमें कलेक्ट्रेट की टीम द्वारा भरत घाट की खेत और मलबा हटकर साफ-सफाई की गई। साथ ही भरत घाट मार्ग पर लोगों द्वारा घरों एवं दुकानों से निकालकर सड़क किनारे रखी गई कीचड़ और खेत को ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में भरकर हटाने में मदद की। प्रातः 11 बजे से चित्रकूट पहुंची कलेक्ट्रेट की टीम ने भोजन अवकाश के बाद भी पुनः भरत घाट पहुंचकर सफाई कार्य में सहभागिता की और श्रमदान कर पूरे भरत घाट को साफकिया इसी प्रकार जनपद पंचायत मझगांव के अधिकारियों एवं मैदानी कर्मचारियों तथा सरपंच-सचिवों की टीम द्वारा मंडाकिनी नदी के उस पार नयागांव बाजार क्षेत्र के 300 मीटर हिस्से में विशेष साफ-सफाई अभियान चला कर उसे साफकिया।